समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक चिंतन (CCT) अभ्यास-1, कक्षा - 9

विषय - हिन्दी

यू.टी. चंडीगढ़, शिक्षा विभाग

संकलित - राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सैक्टर - 8, चंडीगढ़।

प्रस्तावना :

प्रस्तुत पुस्तिका का निर्माण सन् 2022 में आयोजित होने वाली पीसा परीक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पठन कौशल की समझ विकसित करना है ताकि भाषाई समझ, तथ्य विश्लेषण-ग्रहण एवं आलोचनात्मक चिंतन आदि की ओर प्रवृत्त हों। जीवन के विविध आयामों तक विद्यार्थी की समझ विकसित हो और गणित के प्रति अभिरुचि बढ़े। वह सीखने की प्रक्रिया में पूरा भागीदार बने और ज्ञान के लिए पाठ्य पुस्तकों से इतर दुनिया की ओर अग्रसर हो।

सहयोग समिति :

प्राचार्य श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 8, चंडीगढ़

प्राचार्य श्रीमती डॉ प्रीति गर्ग राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सेक्टर 23, चंडीगढ़

निर्माण समिति :

1. नरेंद्र सिंह, दृष्टि बाधितार्थ संस्थान, सेक्टर 26, चंडीगढ़
2. बृजरानी, राजकीय उच्च विद्यालय, कजहेड़ी, चंडीगढ़
3. रेनू कटोच, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 37, चंडीगढ़
4. नीलम चोपड़ा, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 27, चंडीगढ़
5. नीना राणा, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 42, चंडीगढ़
6. कपिल शर्मा, राजकीय उच्च विद्यालय, सेक्टर 53, चंडीगढ़
7. डॉ० दिनेश चंद्र, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, सेक्टर 12, चंडीगढ़
8. जसविंदर कौर, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 22, चंडीगढ़
9. रीता वसिष्ट, राजकीय आदर्श उच्च विद्यालय, पॉकेट नंबर 1, मनीमाजरा, चंडीगढ़
10. किरण बाला, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 26, टिंबर मार्केट, चंडीगढ़
11. गौरव कुमार, राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर 10, चंडीगढ़

<u>दिशा निर्देश :</u>

शिक्षक रणनीति (कैसे सिखाना है) :

- कहानियों के विभिन्न हिस्सों के लिए विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करेंगे।
- मौन वाचन
- विद्यार्थियों को समूह में बांटकर सस्वर वाचन
- एक विद्यार्थी द्वारा संपूर्ण कक्षा के समकक्ष वाचन
- समूह चर्चा
- अध्यापक : एक स्त्रोत

दक्षताएँ :

- वार्तालाप
- रचनात्मक सोच
- सूचनाओं की पुन:प्राप्ति
- समस्या समाधान
- कल्पनात्मकता का विकास

विभिन्न आयाम:

- कला एवं साहित्य
- गणित
- समाज व पर्यावरण
- विज्ञान

	Reading Literacy (Hindi)				
	कक्षा - 9 भाग - 1 आयु वर्ग 14 - 16				
Serial No. **प्रतिमान संख्या**	**Name of the Module** **प्रतिमान का नाम**	**Learning outcomes (as per NCERT) (Code)** **सीखने के प्रतिफल (कोड)**	**Taxonomy**	**Source**	**Page No.**
1	मीडिया	904, 905, 906, 912	Understand Analyze	इन्टरनेट	7
2	राष्ट्रीय पशु : बाघ	903, 906, 907, 918	Understand Evaluate	इन्टरनेट	10
3	परमाणु बम	903, 905, 906, 910, 912	Remember Analyze	इन्टरनेट	14
4	उपभोक्ता संस्कृति	904, 906,907, 910, 913,919	Remember Evaluate	पाठ्य पुस्तक - (क्षितिज भाग-1	18
5	अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुखी होने वाले	901, 902, 906, 907, 910, 917	Understand Apply	पाठ्य पुस्तक (स्पर्श भाग-1)	23
6	खादी	905, 906, 910, 913, 916	Understand create	समाचार पत्र	26
7	नेताजी का चश्मा	901, 902, 906, 907, 912	Remember Apply	पाठ्य पुस्तक (क्षितिज भाग 1)	30
8	फास्ट फूड	901, 907,906,	Understand	इन्टरनेट	33

		910, 911	Evaluate		
9	अनुच्छेद-370	902, 903, 905, 907, 918	Understand Analyze	समाचार पत्र	37
10	विद्यार्थी और अनुशासन	906 ,907, 913, 918	Understand Apply	स्वरचित	42
11	विद्यालय की वार्षिक प्रतियोगिताएँ	903, 907, 913, 919	Remember create	इन्टरनेट	45
12	गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी)	905, 907, 913, 918	Understand Apply	इन्टरनेट	48
13	चंद्र यान : 2	903, 904, 905, 906, 913	Understand Evaluate	समाचार पत्र	51
14	देश व उनकी मुद्राएं	903 ,906 ,907, 918	Remember create	इन्टरनेट	53
15	तुम कब जाओगे अतिथि	904, 906, 908, 913, 918	Understand Analyze	इन्टरनेट	55
16	वर्तमान में आई॰सी॰टी की भूमिका	903, 905, 912 ,918	Understand Analyze	इन्टरनेट	58
17	पर्यावरण प्रदूषण	902, 905, 906, 914	Understand Apply	समाचार पत्र	62
18	शुक्र तारे के समान	906, 907, 908, 913	Remember create	पाठ्य पुस्तक (स्पर्श भाग 1)	67
19	बादल का फटना-प्राकृतिक आपदा	905, 907, 908, 914, 918	Understand Analyze	स्वरचित	70

20	स्मृति	904, 906, 908, 912, 915	Remember create	पाठ्य पुस्तक	73
21	वैज्ञानिक दृष्टिकोण आज की आवश्यकता	902 ,903, 907, 908, 911	Understand Analyze	इन्टरनेट	76
22	मोबाइल सकारात्मक दृष्टिकोण	907, 910, 915, 918	Understand Analyze	इन्टरनेट	81
23	सब पढ़े सब बढ़े	901, 902, 905, 906, 910	Understand Analyze	इन्टरनेट	85
24	कीचड़ का काव्य	903, 904, 906, 910, 913	Remember create	पाठ्य पुस्तक(स्पर्श भाग 1)	89
25	स्वच्छ भारत अभियान	902, 905, 906, 910, 912	Understand Apply	इन्टरनेट	92

प्रतिमान 1

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : मीडिया	

सीखने के प्रतिफल :

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों , खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

वर्तमान युग में मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। मीडिया के दो रूप हैं- प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र -पत्रिकाएँ आती हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो , टेलीविज़न, इंटरनेट आदि आते हैं। आजकल तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही जनसंचार का सशक्त माध्यम बन गया है। इसमें खबरों तथा कार्यक्रमों को सुनने के साथ-साथ सचित्र देखा भी जा सकता है। इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है।

वर्तमान युग में मीडिया की भूमिका निरंतर बढ़ती जा रही है। मीडिया के दो रूप हैं- प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। प्रिंट मीडिया में समाचार पत्र -पत्रिकाएँ आती हैं, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रेडियो , टेलीविजन, इंटरनेट आदि आते हैं। आजकल तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही जनसंचार का सशक्त माध्यम बन गया है। इसमें खबरों तथा कार्यक्रमों को सुनने के साथ-साथ सचित्र देखा भी जा सकता है। इंटरनेट पत्रकारिता को ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहा जाता है।

इंटरनेट एक माध्यम भी है और औजार भी। इंटरनेट पर हम खबरों , लेखों, चर्चाओं, बहसों, परिचर्चाओं झलकियों , चलचित्रों, गीतों आदि का आनंद ले सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से विश्वव्यापी जाल में गोते लगाए जा सकते हैं। विश्व सिकुड़ कर एक परिवार बन चुका है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जहाँ इतनी विशेषताएं हैं, वहीं कुछ कमि याँ भी हैं। हिंसा , ठगी, अश्लील सामग्री से जहाँ युवा पीढ़ी त्रस्त है, वहीं बालमन भ्रमित हो रहे हैं। इसलिए मीडिया के प्रयोग में सावधानी बरतने की भी आवश्यकता है। आज इंटरनेट के बिना जीवन कठिन प्रतीत होने लगा है। इसकी रफ्तार का भी कोई जवाब नहीं है। यह एक अंतर-क्रियात्मक माध्यम है अर्थात आप इसमें मूकदर्शक नहीं है बल्कि आप अपनी प्रतिक्रिया दे सकते हैं, चैट कर सकते हैं, अपना ब्लॉग बना सकते हैं, किसी बहस के सूत्रधार तक बन सकते हैं ।

प्रश्न-

1. हम यूट्यूब वीडियो के नीचे देखते हैं कि उसे कितने दर्शकों ने देखा है या उसे कितने व्यूज़ मिले हैं? यदि उसके नीचे 6 एम (6 M) लिखा हो तो वह संख्या अंको में कितनी होगी ?
2. पढ़ाई में इंटरनेट किस प्रकार सहायक हो सकता है?
3. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के गुण-अवगुण लिखिए।
4. एक बच्चा विद्यालय से लौटकर गृह कार्य निपटा कर दो घंटे टेलीविजन या मोबाइल पर बिता कर खुश हो जाता है , जबकि उसी उम्र का दूसरा बच्चा विद्यालय से लौटकर गृह

कार्य करके 2 घंटे फुटबॉल खेलने चला जाता है और थक हारकर लौटता है। आपके विचार अनुसार किस बच्चे की कार्य क्षमता व स्वास्थ्य बेहतर होगा?

5. इंटरनेट की बढ़ती रफ्तार व मोबाइल फोन के बढ़ते प्रयोग से कोई भी जानकारी कुछ ही पलों में आम जनता तक जाती है । आप अपने मतानुसार लिखें कि संदेशों अथवा जानकारी को भेजने का बढ़ता प्रचलन क्या कभी समाज के लिए हानिकारक भी हो सकता है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तुलनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	विचारात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	व्यापक समझ	विवेचनात्मक	सरल
5	संकेत की समझ	विचारात्मक औसत	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	60 लाख
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	कोई दो या तीन सकारात्मक कारण
	Partial Credit	कोई एक कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	कोई दो-तीन गुण, कोई दो-तीन अवगुण
	Partial Credit	गुण या अवगुण में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	दूसरे बच्चे का
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	हाँ यदि नकारात्मक सन्देश भेजे जाएं अथवा विद्यार्थी का कोई भी सही तर्क स्वीकार्य होगा
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 2

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : राष्ट्रीय पशु : बाघ	
सीखने के प्रतिफल : **903.** पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। **906.** देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। **907.** दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। **918.** अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।		

Formatted: Centered, Space After: 0 pt

बाघ जंगल में रहने वाले मांसाहारी स्तनपाई पशु हैं । ये अपनी प्रजाति का सबसे बड़ा और ताकतवर पशु है। ये तिब्बत , श्रीलंका और अंडमान निकोबार द्वीपसमूह को छोड़कर एशिया के अन्य सभी भागों में पाया जाता है। यह भारत, नेपाल, भूटान, कोरिया, अफगानिस्तान और इंडोनेशिया में अधिक संख्या में पाया जाता है। इसके शरीर का रंग पीला और लाल का मिश्रण होता है। इस पर काले रंग की धारियाँ पाई जाती हैं। वक्ष का भीतरी भाग व पंजों का रंग सफेद होता है। बाघ 3 फुट लंबा और 300 किलो तक वजनी हो

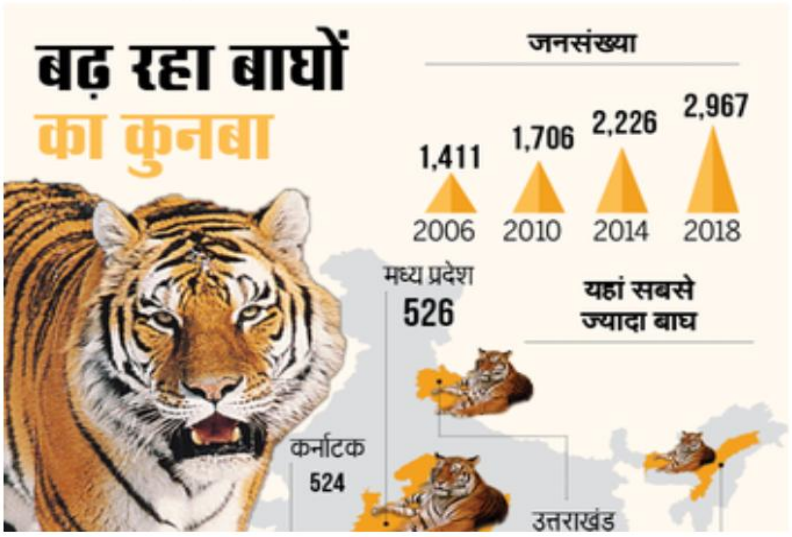

सकता है । यह भारत का राष्ट्रीय पशु भी है। इसे वन, दलदली क्षेत्र, तथा घास के मैदानों के पास रहना पसंद है। इसका आहार मुख्य रूप से सांभर , चीतल, जंगली सूअर, भैंसे, हिरण, गौर तथा मनुष्य के पालतू -पशु हैं। बाघ की प्रजाति लुप्त होने के भावी संकट से जूझ रही है। इसके प्राकृतिक आवास की क्षति और अवैध शिकार का संकट निरंतर बना हुआ है। पूरी दुनिया में इनकी संख्या 6000 से भी कम है। 29 जुलाई 2018 को भारत के प्रधानमंत्री जी द्वारा बाघों पर जारी की गई रिपोर्ट यही दर्शाती है कि बाघों की संख्या आशाजनक रूप से बढ़ रही है। दुनिया के 77% बाघों का घर भारत ही है और बड़ी बात है कि यहाँ बाघों की संख्या में 33% की दर से वृद्धि हुई है। जिनमें से इनकी संख्या केवल सुंदरवन में ही 2010, 2014 और 2018 में क्रमशः 70, 76 और 88 रही है।

भारत में ऐसे लगभग 50 बाघ संरक्षित वन क्षेत्र हैं। भारत बाघों के संरक्षण पर प्रतिवर्ष चंद्रयान-2 की लॉन्चिंग से भी ज्यादा रुपए खर्च करता है। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 29 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के तौर पर मनाने की घोषणा हुई थी। भारत समेत अन्य अनेक देशों ने वर्ष 2022 तक बाघों की आबादी दोगुनी करने का लक्ष्य निर्धारित किया था। बाघों के संरक्षण से होने वाले लाभों से भारतीय अर्थव्यवस्था पर निश्चित रूप से सकारात्मक प्रभाव पड़ता रहा है। बाघों के संरक्षण से बहुमूल्य वन संरक्षण होता है। वनों के संरक्षण से न केवल शुद्ध वायु, औषधीय वनस्पति, नौकरियाँ आदि मिलते हैं बल्कि वन बचेंगे तो शुद्ध जल का भी संरक्षण होगा । संरक्षित वन नदियों के शुद्ध जल को संरक्षित रखते हैं । मृदा अपर्दन को रोकते हैं । इसलिए यह कहना अनुचित न होगा कि वन सुरक्षित रहेंगे तो हम सुरक्षित रहेंगे। वन ही वर्षा लाने में सहायक होते हैं और हमारी अनेक जरूरतों को पूरा करते हैं। बाघों के संरक्षण पर सरकार जितना धन खर्च कर रही है इससे कहीं अधिक बाघ हमारे लिए लाभदायक सिद्ध हो रहे हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि बाघ हैं तो वन हैं और वन हैं तो हम हैं।

1. क्या बाघ अमेरिका, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में भी पाए जाते हैं?

2. बाघों की संख्या में प्राचीन समय में आई गिरावट के क्या कारण रहे होंगे?
3. भारत दुनिया के 77% बाघों का घर है और इनकी संख्या में 33% की दर से वृद्धि हुई है, तो क्या यह स्थिति संतोषजनक है? अपने विचार दें ।
4. प्रति वर्ष बाघों के संरक्षण पर भारत चंद्रयान - 2 की लॉन्चिंग से भी अधिक खर्च कर रहा है। आपको क्या लगता है यह सौदा लाभ का है या घाटे का? स्पष्ट करें ।

5. भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। इसी क्रम में आप नीचे पूछी गई जानकारी दीजिए:

क) भारत का राष्ट्रीय चिह्न _____

ख) भारत का राष्ट्रीय जल-जीव _____

ग) भारत का राष्ट्रीय वृक्ष _____

घ) भारत का राष्ट्रीय फल _____

ङ) भारत का राष्ट्रीय गीत _____

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सृजन	तथ्यात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	सूचना की पुन: प्राप्ति	तुलनात्मक	सरल
5	व्यापकसमझ	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	नहीं पाए जाते,
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	शिकार ,घटते वन आदि अन्य कारण
	Partial Credit	कोई एक कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	हां, कारण सहित उत्तर

	Partial Credit	हाँ अथवा कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	लाभ का , वन संरक्षण आदि अनेकों लाभ
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	अन्य विकल्प
5.	Full Credit	अशोक स्तम्ब , गंगा डॉल्फिन , बरगद, आम ,वंदेमातरम
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 3

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : परमाणु बम	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नन कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका द्वारा जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम पूरी तरह मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना थी। इस हादसे में जहां लाखों लोग मारे गए , वहीं इनसे भी ज्यादा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के शिकार होकर तिल- तिल मरने को मजबूर हुए। उनकी नस्लें आज भी इस त्रासदी को भुगत रही हैं। 6 अगस्त 1945 की सुबह 8:00 बजे अमेरिका ने हिरोशिमा पर पहला परमाणु बम 'लिटिल ब्वॉय' गिराया ।

बायीं तरफ़ हिरोशिमा और दायीं तरफ़ नागासाकी के उपर परमाणु बम गिरने के बाद बने मशरूम आकार के बादल।

शहर के 30% लोग तत्काल मारे गए थे। बाकी परमाणु विकिरण के कारण सालों तक मरते रहे। इसके 3 दिन बाद ही 9 अगस्त 1945 के दिन नागासाकी पर दूसरा परमाणु बम 'फैट मैन' फेंका गया था। इस युद्ध से यह हानि हुई कि इसमें 1 ब्रिटिश, 7 डच और 12 अमेरिकी युद्ध-बंदी मारे गए। जबकि हिरोशिमा में 20,000 से अधिक सैनिक मारे गए, 70,000 से 1,46,000 आम नागरिक मारे गए और नागासाकी में 39,000 से 80,000 लोग मारे गए। नागासाकी के

परमाणु हमले के 6 दिन बाद राजा हिरोहित्तो ने अमेरिकी सेना के आगे आत्मसमर्पण कर दिया। यदि जापान समर्पण न करता तो अमेरिका ने 19 अगस्त को एक और शहर पर परमाणु बम गिराने की योजना बना रखी थी। बमबारी के कारण जमीनी स्तर पर लगभग 4000 डिग्री सेल्सियस तक गर्मी पैदा हुई थी। एयर फोर्स के जवानों के हमले से पहले लोगों को चेतावनी देने के लिए पर्चा भी गिराया गया था। परमाणु हमले में कुछ पुलिसवालों ने एटॉमिक चमक दिखने के बाद खास तरीके से छुपकर अपनी जान बचाई थी। इस प्रक्रिया को 'डक एंड कवर' कहा जाता है। इन्होंने नागासाकी जाकर इस तरीके की जानकारी दूसरे लोगों को भी दी थी। परमाणु बम के कारण शहर के 90% डॉक्टर भी मारे गए थे, जिस कारण घायल होने वालों का इलाज जल्द से जल्द संभव नहीं हो पाया। विश्व के लिए यह घटना आज भी एक बुरे सपने की तरह है। आशा है, भविष्य में दुनिया में लोगों को ऐसे हादसों का सामना कभी नही करना पड़ेगा। आज अनेक देशों के पास अपने परमाणु बमों के भंडार हैं , जो 'लिटिल ब्वॉय' और 'फैट-मैन' से भी कई सौ हज़ार गुना ज्यादा शक्तिशाली हैं और जिनके प्रयोग से मानव जाति का ही अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है।

प्रश्न:

1. हिरोशिमा-नागासाकी की इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को आज कुल कितने वर्ष हो चुके हैं?
2. आप अपने विचार अनुसार उत्तर दें कि क्या जापान नरेश हिरोहित्तो का समर्पण कर देने का फैसला सही था?
3. पानी कितने डिग्री सेल्सियस के तापमान पर उबलने लगता है ? उस वक्त परमाणु बम से धरती पर उत्पन्न हुई गर्मी इससे कितने गुना अधिक रही होगी?
4. यदि इतने ही शक्तिशाली परमाणु बम भारत पर आज गिराए जाते हैं तो बताइए कि भारत में इससे जानमाल की हानि कम होगी या अधिक? तर्क सहित उत्तर दें।
5. क्या हथियारों की बढ़ती होड़ और युद्धों पर अंकुश लगाने में संयुक्त राष्ट्र संघ की कोई भूमिका हो सकती है? अपना मत दें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तुलनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	विचारात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तथ्यात्मक	औसत
4	विवेचन	तुलनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	75
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	हां , अपने नागरिकों को बचाने हेतु, क्योंकि अमेरिका एक और परमाणु हमला करने वाला था
	Partial Credit	उपरोक्त मे से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

3.	Full Credit	100 डिग्री सेल्सियस, 40 गुना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	अधिक होती , क्योंकि भारत की जनसंख्या जापान से बहुत अधिक है।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	विद्यार्थी की समझ के अनुसार सही उत्तर मान्य होगा ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 4

स्त्रोत- पाठ्य पुस्तक - (क्षितिज भाग-1	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : उपभोक्ता संस्कृति	
सीखने के प्रतिफल : **904.** अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं। **906.** देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। **907.** दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। **910.** सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। **913.** भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि। **919.** सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।		

धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। एक नई जीवन-शैली अपना वर्चस्व स्थापित कर रही है। उसके साथ आ रहा है एक नया जीवन- दर्शन; उपभोक्तावाद का दर्शन। उत्पादन बढ़ाने पर ज़ोर है चारों ओर। यह उत्पादन आपके लिए हैं ; आपके सुख के लिए है। 'सुख' की व्याख्या बदल दी गई है। उपभोग-भोग ही सुख है। एक सूक्ष्म बदलाव आया है एक नई स्थिति में उत्पाद तो आपके लिए हैं, पर आप यह भूल जाते हैं कि जाने-अनजाने आज के माहौल में आपका चरित्र भी बदल रहा है आप उत्पाद को समर्पित होते जा रहे हैं।

दैनिक जीवन में काम आने वाली वस्तुओं को ही लीजिए। टूथपेस्ट चाहिए ? यह दांतों को मोती जैसे चमकीला बनाता है, यह मुँह की दुर्गंध हटाता है, यह मसूड़ों को मजबूत करता है और यह 'पूर्ण सुरक्षा' देता है। वह सब करके जो 3-4 पेस्ट अलग-अलग करते हैं , किसी पेस्ट का 'मैजिक' फार्मूला' है। कोई बबूल या नीम के गुणों से भरपूर है , कोई ऋषि- मुनियों द्वारा स्वीकृत

तथा मान्य वनस्पति और खनिज तत्वों के मिश्रण से बना है। जो चाहे चुन लीजिए। यदि पेस्ट अच्छा है तो ब्रुश भी अच्छा होना चाहिए। आकार, रंग, बनावट और सफाई की क्षमता में अलग-अलग, एक से बढ़कर एक। मुँह की दुर्गंध से बचने के लिए माउथवॉश भी चाहिए। सूची और भी लंबी हो सकती है पर इतनी चीजों का ही बिल काफी बड़ा हो जाएगा , क्योंकि आप शायद बहुविज्ञापित और कीमती ब्रांड खरीदना ही पसंद करें।

संभ्रांत महिला ओं की ड्रेसिंग टेबल पर तीस-तीस हज़ार की सौंदर्य सामग्री होना तो मामूली बात है। पेरिस से परफ्यूम मंगाइए इतना ही और खर्च हो जाएगा। ये प्रतिष्ठा चिह्न हैं, समाज में आपकी हैसियत जताते हैं। पुरुष भी इस दौड़ में पीछे नहीं है।

बीमार पड़ने पर पांच सितारा अस्पतालों में आइए। सुख-सुविधाओं और अच्छे इलाज के अतिरिक्त यह अनुभव काफ़ी समय तक चर्चा का विषय भी रहेगा , पढ़ाई के लिए पांच सितारा पब्लिक स्कूल है, शीघ्र ही नहीं आयी पर अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों में आप मरने के पहले ही अपने अंतिम संस्कार और अनंत विश्राम का प्रबंध भी कर सकते हैं एक कीमत पर। आपकी कब्र के आसपास सदा हरी घास होगी , मनचाहे फूल होंगे। चाहे तो वहाँ फव्वारे होंगे और मंद ध्वनि में निरंतर संगीत भी। कल भारत में यह संभव हो सकता है। प्रतिष्ठा के अनेक रुप होते हैं, चाहे वह हास्यस्पद ही क्यों न हो। अब विषय के गंभीर पक्ष की ओर आएँ। इस उपभोक्ता संस्कृति का विकास भारत में क्यों हो रहा है? सामंती संस्कृति के तत्व भारत में पहले भी रहे हैं। उपभोक्तावाद इस संस्कृति से जुड़ा रहा है। आज सामंत बदल गए हैं, सामंती संस्कृति का मुहावरा बदल गया है। कड़वा सच तो यह है कि हम बौद्धिक दासता स्वीकार कर रहे हैं , पश्चिम के सांस्कृतिक उपनिवेश बन रहे हैं। अंततः इस संस्कृति के फैलाव का परिणाम क्या होगा ? यह गंभीर चिंता का विषय है। हमारे सीमित संसाधनों का घोर अपव्यय हो रहा है। जीवन की गुणवत्ता आलू के चिप्स से नही सुधरती। न बहुविज्ञापित शीतल पेयों से। भले ही वे अंतेर्राष्ट्रीय हो। पिज्जा और बर्गर कितने ही आधुनिक हो , है वह कूड़ा खाद्य । समाज में वर्गों की दूरी बढ़

रही है, सामाजिक सरोकारों में कमी आ रही है। जीवन स्तर का यह बढ़ता अंतर आक्रोश और अशांति को जन्म दे रहा है। जैसे-जैसे दिखावे की यह संस्कृति फैलेगी , सामाजिक अशांति भी बढ़ेगी। हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का ह्रास तो हो ही रहा है, हम लक्ष्य भ्रम से भी भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं , हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं। मर्यादाएँ टूट रही हैं, नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं। व्यक्ति केंद्रकता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षाएं आसमान को छू रही है। किस बिंदु पर रुकेगी यह दौड़ ? गांधी जी ने कहा था कि हम स्वस्थ सांस्कृतिक प्रभावों के लिए अपने दरवा ज़े-खिड़की खुले रखें पर अपनी बुनियाद पर कायम रहे। उपभोक्ता संस्कृति हमारी समाजिक नींव को हिला रही है। यह एक बड़ा खतरा है, भविष्य के लिए यह एक बड़ी चुनौती है।

1. सोहन को बाजार से घर का राशन लाना है। 5 किलो चावल, 10 किलो आटा, 5 किलो चीनी, किलो घी, 1/2 किलो चाय पत्ती, 100 ग्राम हल्दी, 100 ग्राम धनिया, 100 ग्राम जीरा, 100 ग्राम लाल मिर्च, 1किलो चना दाल, आधा किलो अरहर दाल, 2 किलो छोले, डेढ़ किलो राजमा, आधा किलो सूजी, 1किलो नमक, एक पैकेट दंत मंजन। उसके सामान का बिल बनाएं :

वस्तुएँ	**कीमत प्रति कि.ग्रा.**	**वस्तुएँ**	**कीमत प्रति कि.ग्रा.**
चना दाल	65	लाल मिर्च	350
चावल	46	नमक	30
आटा	27	सूजी	30
चीनी	38	बेसन	55
देसी घी	375	मूंग दाल साबुत	80
चायपत्ती	180	अरहर दाल	75

हल्दी	450	चना (सफ़ेद)	85
धनिया	400	राजमाह	90
ज़ीरा	500	दंत-मंजन (प्रति	45

2. किसी वस्तु को खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए व बिल लेने के क्या फायदे हैं?

3. उपभोक्ता संस्कृति का विकास भारत में क्यों हो रहा है?

4. 'प्रतिष्ठा-चिह्न' से क्या आशय है?

5. विज्ञापन से आप क्या समझते हैं? यह क्यों जरूरी है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
2	व्यापक समझ	विचारात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विवेचन	तथ्यात्मक	औसत
5	विश्लेषण	तार्किक	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	2572.50
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	अधिकतम मूल्य, दिनांक ,निर्माण घटक/सामग्री आदि, बिल लेने से सीधे सरकार को टैक्स/कर जाता है।
	Partial Credit	उपरोक्त मे से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	भारत बहुत बड़ा बाजार है, विकासशील देश है, आधुनिकता की ओर ... (विद्यार्थी के अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)

	Partial Credit	उपरोक्त मे से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	समाज में हैसियत के प्रदर्शन का भाव।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	किसी उत्पाद अथवा सेवा हेतु जनसंचार, अपनी वस्तु की पहुँच दूर-दूर तक पहुँचाने हेतु... (विद्यार्थी के अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	Partial Credit	उपरोक्त मे से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 5

स्त्रोत - पाठ्य पुस्तक (स्पर्श भाग-1)	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : अब कहाँ दूसरों के दुःख से दुखी होने वाले	
सीखने के प्रतिफल : **901.** सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे - जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े ? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती? **902.** अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं। **906.** देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। **907.** दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय **910.** सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। **917.** जाति, धर्म, रीति-रिवाज़, जेंडर आदि मुद्दों पर प्रश्न करते हैं।		

बाज़ार में, फुटपाथ पर कुछ खरबूज़े डलिया में और कुछ ज़मीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। खरबूज़ो के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी। खरबूज़े बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता ? खरबूज़ों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखें फफक-फफक कर रो रही थी। पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाज़ार में खड़े लोग घृणा से उस स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी , पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था ? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई।

एक आदमी ने घृणा से एक तरफ़ थूकते हुए कहा ,"क्या ज़माना है! जवान लड़के को मरे पूरा दिन नहीं बीता और यह बेहया दुकान लगा के बैठी है।" दूसरे साहब अपनी दाढ़ी खुजाते हुए कह रहे थे, "अरे जैसी नीयत होती है अल्हा भी वैसी ही बरकत देता है।" सामने के फुटपाथ पर खड़े एक आदमी ने दियासिलाई की तीली से कान खुजाते हुए कहा , “अरे इन लोगों का क्या है ?

यह कमीने लोग रोटी के टुकड़े पर जान देते हैं। इनके लिए बेटा-बेटी , खसम-लुगाई, धर्म-ईमान सब रोटी का टुकड़ा है"।

परचून की दुकान पर बैठे लालाजी ने कहा , "अरे भाई, उनके लिए मरे-जिए का कोई मतलब न हो, पर दूसरे के धर्म-ईमान का तो ख्याल रखना चाहिए! जवान बेटे के मरने पर 13 दिन का सूतक होता है और वह यहाँ सड़क पर बाज़ार में आकर खरबूज़े बेचने बैठ गई है। हज़ार आदमी आते-जाते हैं। कोई क्या जानता है कि इसके घर में सूतक है। कोई इसके खरबूज़े खा ले तो उसका ईमान- धर्म कैसे रहेगा? क्या अंधेर है!"

1. फुटपाथ पर बैठी 'स्त्री' के रोने का क्या कारण था?
2. उपरोक्त गद्यांश में आए 'सूतक' शब्द से क्या अभिप्राय है?
3. अक्सर समाज में लोग बिना सोचे समझे किसी पर भी व्यंग्य (कटाक्ष) करते हैं, जबकि किसी की अवस्था या जीवन के बारे में हम कुछ जानते ही नहीं, तो यह कहाँ तक उचित /अनुचित है। अपने विचार लिखिए।
4. मनीष बेचने के लिए बाजार में खरबूजे से भरा एक ट्रक लाया , तो ट्रक का वजन 2830 किलोग्राम था। शाम तक उसने 12 प्रति किलोग्राम के हिसाब से सारे खरबूजे बेच दिए। लौटते समय ट्रक का वजन 2300 किलोग्राम था। उसने कुल कितने किलोग्राम खरबूजे बेचे व कितने रुपए कमाए? यदि वह कुल कमाई का 25% ट्रक ड्राइवर को देता है तो उसके पास कितनी रकम बची?
5. "एक गरीब मजदूर को दुख व्यक्त करने का भी अधिकार नहीं है ।" आप इस बात से कहां तक सहमत है?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा-नौवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	वर्णनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	विवेचनात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तुलनात्मक	औसत
4	विवेचन	तथ्यात्मक	कठिन
5	अभिव्यक्ति	विचारात्मक औसत	औसत

उत्तरमाला:

1.	Full Credit	उसका पुत्र मर गया था ,उसे अब परिवार की चिंता थी।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	घर में किसी के जन्म अथवा मृत्यु के पश्चात कुछ दिनों तक धार्मिक अथवा सामाजिक कार्यों में भाग लेने की मनाही
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	अनुचित है और विद्यार्थी के विचार मान्य
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	530 रु किलो, 6360 रु कमाए, 4770 रु रकम बची।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से लिखा गया उत्तर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 6

स्त्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : खादी	

सीखने के प्रतिफल :

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नर कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

916. हस्तकला, वास्तुकला, खेतीबाड़ी के प्रति अपनी रुचि व्यक्त करते हैं तथा इनमें प्रयुक्त होने वाली भाषा को जानने की उत्सुकता रखते हैं।

खादी हाथ से काते गए और बुने गए कपड़ों को कहते हैं। कच्चे माल के रूप में कपास , रेशम या ऊन का प्रयोग किया जाता है। जिन्हें चरखे (एक पारंपरिक कताई यंत्र)पर कातकर धागा बनाया जाता है, उसी धागे से कपड़ा बुना जाता है। खादी का 1920 में महात्मा गांधी के स्वदेशी

आंदोलन में एक राजनीतिक हथियार के रूप में प्रयोग किया गया था। यहाँ जिस चरखे की बात हो रही है उसकी शुरुआत सर्वप्रथम चीन से 1100 ई० में हुई। 1100 ई० से आज तक इसके रूप और आकार में प्रकार में अनेक परिवर्तन आते गए। इसकी उत्पादन क्षमता बढ़ी , आज भी चरखों का प्रयोग होता है। आज बिजली और सौर ऊर्जा से चलने वाले चरखों का भी प्रचलन है। भारत का 'राष्ट्रीय चरखा संग्रहालय' नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थित है। खादी के लिए कच्चा माल भारत के विभिन्न

भागों से प्राप्त किया जाता है। पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा और उत्तर-पूर्वी राज्यों से रेशम प्राप्त किया जाता है। कपास की प्राप्ति आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल से होती है। पॉली खादी को राजस्थान और गुजरात में काता जाता है जबकि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू कश्मीर से ऊन की प्राप्ति होती है । ऊनी वस्तुओं के लिए ये स्थान बहुत प्रसिद्ध हैं। खादी ग्रामोद्योग आयोग सरकार द्वारा निर्मित एक वैधानिक निकाय है। यह भारत में खादी और ग्रामोद्योग से संबंधित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एक शीर्ष संस्था है। जिसका मुख्य उदेश्य है- ग्रामीण इलाकों में खादी और ग्रामोद्योग की स्थापना और विकास करने के लिए योजनाएँ बनाना, प्रचार करना, सुविधाएँ और सहायता प्रदान करना। जिससे आवश्यकता अनुसार ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कार्यरत अन्य एजेंसि याँ भी सहायता ले सकती हैं। आज विश्व में भूमंडली ऊष्मण (ग्लोबल वार्मिंग) की बातें हो रही हैं। पर्यावरण की रक्षा की चिंता बढ़ रही है। खादी का बढ़ता उपयोग और इसके उत्पादन को बढ़ावा देना भी ग्लोबल वॉर्मिंग की दिशा में एक सकारात्मक पहल हो सकता है। सरकार भी जानती है कि खादी ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने पर जहाँ लोगों को रोज़गार के अवसर प्राप्त होंगे, वहीं पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान होगा।

1. खादी क्या है? इसके मुख्य उद्देश्य क्या हैं?

2. खादी से जुड़े एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और उनके यंत्र का नाम लिखें।

3. कच्चा माल किसे कहते हैं? खादी के लिए कच्चा माल कहाँ से प्राप्त होता है?

4. ग्लोबल वार्मिंग किसे कहते हैं? आप लोगों की समस्या को दूर करने में अपना क्या योगदान दे सकते हैं?

5. नीचे दिए गए बिल में कुल कीमत से कुल बिक्री कीमत अधिक क्यों है और मात्रा वाले खाने में जहाँ 1,1 और 1 लिखा है , वहीं यदि 3, 3 और 3 लिखा होता , तो कुल कितना बिल बनता ?

जी०एस०टी० नं: : 04AAATK6700F1Z4

कैश मैमो

खादी आश्रम चण्डीगढ़

एस.सी.ओ. 82, सैक्टर 38–सी, चण्डीगढ़

प्र० का० : S.C.O. 28, सैक्टर 17-E, चण्डीगढ़

(खा. ग्रा. कमीशन भारत सरकार द्वारा प्रमाणित)

फोन : 0172-2690164

राज्य कोड :

कैश मैमों न. 11062

दिनांक : 06-08-2019

नाम :

पता :

क्रमांक	विवरण	एच०एस० एन० कोड	यू. ओ. एम.	मात्रा	दर	कुल कीमत	छूट दर	छूट कीमत	कर योग्य बिक्री	सी०जी०एस०टी० रकम दर	सी०जी०एस०टी० रकम कीमत	यू०टी०जी०एस०टी० एस०टी० रकम दर	यू०टी०जी०एस०टी० एस०टी० रकम कीमत	कुल बिक्री कीमत
	गुलाब जल			1	89.28					6%	5.36	6%	5.36	100
	चन्दन पाउडर			1	138.09					2.5	3.45	2.5	3.45	144.99
	इत्र			1	33.89					9%	3.05	9%	3.05	39.99
	योग													284.98

कैशो मैमों की कुल कीमत शब्दों में

कुल कीमत टैक्स से पहले	0.02
कुल कीमत सी०जी०एस०टी०	
कुल कीमत यू०टी० जी०एस०टी०	285
कुल कीमत आई०जी०एस०टी०	
कुल कीमत टैक्स के बाद	

285

हस्ताक्षर विक्रेता

नोट : 1) बिका हुआ माल वापस नहीं होगा और ना ही बदला जायेगा ।
2) किसी भी विवाद के लिए चण्डीगढ़ ही कार्यक्षेत्र होगा ।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक सरल	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	संकेतात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	विचारात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
5	विवेचन	तुलनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	एक संस्था, हाथ से काते / बुने गए कपड़े।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	महात्मा गांधी, चरखा
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	ऐसे पदार्थ जो प्राकृतिक अथवा आरंभिक रूप में हों , खनिज आदि। पश्चिम बंगाल , बिहार, उड़ीसा ,उत्तर-पूर्वी राज्य , आंध्र प्रदेश , राजस्थान, गुजरात ,हिमाचल प्रदेश, लद्दाख, जम्मू कश्मीर।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक भाग का उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	पृथ्वी के तापमान में बढ़ोतरी, खादी का उपयोग , आदर्श ईंधन अथवा संसाधनों का बुद्धिमता से उपयोग।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	कुल कीमत के साथ कर/ टैक्स भी जोड़ा गया है इसलिए ...। तब कुल बिल बनेगा रु 855 या रु 854. 94
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 7

स्त्रोत - पाठ्य पुस्तक (क्षितिज भाग 1)	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : नेताजी का चश्मा	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्नय प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे - जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े ? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

मूर्ति के नीचे लिखा 'मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल' वाकई कस्बे का अध्यापक था। बेचारे ने महीने-भर में मूर्ति बनाकर पटक देने का वादा कर लिया होगा। बना भी ली होगी, लेकिन पत्थर में पारदर्शी चश्मा कैसे बनाया जाए। काँचवाला यह तय नहीं कर पाया होगा या कोशिश की होगी और असफल रहा होगा या बनाते-बनाते 'कुछ और बारीकी' के चक्कर में चश्मा टूट गया होगा या पत्थर का चश्मा अलग से बनाकर फिट किया होगा और वह निकल गया होगा।

हालदार साहब को यह सब कुछ बड़ा विचित्र और कौतुकभरा लग रहा था। इन्हीं ख्यालों में खोए-खोए पान के पैसे चुकाकर, चश्मे वाले की देशभक्ति के समक्ष नतमस्तक होते हुए वह जीप की तरफ चले, फिर रुके, पीछे मुड़े और पान वाले के पास जाकर पूछा , "क्या कैप्टन चश्मे वाला नेता जी का साथी है? या आज़ाद हिंद फौज का भूतपूर्व सिपाही?"

पानवाला नया पान खा रहा था। पान पकड़े अपने हाथ को मुँह से डेढ़ इंच दूर रोककर उसने हालदार साहब को ध्यान से देखा , फिर अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाई और मुस्कुरा कर बोला, "नहीं साहब! वो लंगड़ा क्या जाएगा फ़ौज में। पागल है पागल! वो देखो, वो आ रहा है। आप उसी से बात कर लो। फोटो-वोटो छपवा दो, उसका कहीं।"

हालदार साहब को पान वाले द्वारा एक देशभक्त का इस तरह मज़ाक उड़ाया जाना अच्छा नहीं लगा। मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए। एक बेहद बूढ़ा मरियल-सा लंगड़ा आदमी सिर पर गांधी टोपी और आंखों पर काला चश्मा लगाए एक हाथ में एक छोटी-सी संदूकची और दूसरे हाथ में एक बांस पर टंगे बहुत-से चश्मे लिए अभी-अभी एक गली से निकला था और अब एक बंद दुकान के सहारे अपना बांस टिका रहा था। तो इस बेचारे की दुकान भी नहीं! फेरी लगाता है! हालदार साहब चक्कर में पड़ गए।

1. मूर्ति किसने बनाई थी और उसके नीचे क्या लिखा था?

2. किनका चश्मा स्वच्छता अभियान का प्रतीक चिह्न बन गया है?

3. 'आजाद हिंद फौज' के सर्वोच्च नेता कौन थे? जिन्हें नेता जी के नाम से भी जाना जाता है।

4. यदि एक मीठे पान को स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें 6 चीज़ों का प्रयोग लिया किया गया , तो 12 स्वादिष्ट मीठे पान बनाने में कितनी चीज़ों का प्रयोग किया गया होगा?

5. 'देश को आगे बढ़ाना है , तो सभी बच्चों को शिक्षित कीजिए। देश को वह खुद संभाल लेंगे। ' इस पर अपने विचार प्रकट करें।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	संकेतात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	विवेचनात्मक	तुलनात्मक	सरल
5	सृजन	रचनात्मक	सरल

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	मोतीलाल, मूर्तिकार मास्टर मोतीलाल।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	महात्मा गांधी
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	सुभाष चंद्र बोस
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	72
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्रों के अपनी समझ से लिखे सकारात्मक उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 8

स्त्रोत- इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : फास्ट फूड	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्नज प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे - जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े ? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त , जैसे-- कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।

आज के बच्चे कल का भविष्य हैं- इस वक्तव्य का भारत के लिए विशेष महत्व है , क्योंकि आज भारत में विश्व की तुलना में सबसे अधिक किशोर है। जंक फूड के प्रति बच्चों के लगाव ने उनकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को एक चुनौती के रूप में लाकर देश के सामने खड़ा कर दिया है। देश में चिकित्सक, शिक्षाविद, अभिभावक सभी चिंतित हैं क्योंकि जंक फूड के सेवन से बच्चे उन बीमारियों के शिकार हो रहे हैं जो अधिक उम्र के लोगों में हुआ करती थी। आधुनिक रहन-सहन और दौड़-धूप से भरी जिंदगी ने मनुष्य के जीवन में कई परिवर्तन किए हैं। आज लोगों के पास समय का अभाव है, इस व्यस्त जिंदगी में सब कुछ फास्ट हो गया है और इसी जल्दबाजी ने मनुष्य को भोजन की एक नई शैली के जाल में फंसा दिया है , जिसे फास्ट फूड या जंक फूड कहते हैं। समय के साथ परिवर्तन होना स्वाभाविक है , लेकिन यह जरूरी नहीं है कि हर परिवर्तन सही हो।

पिछले दिनों एक चौंकाने वाली खबर में पता चला कि मुंबई में 11 वर्षीय अनामिका (बदला हुआ नाम) का मोटापा कम करने के लिए उसकी बेरिएट्रिक सर्जरी करनी पड़ी। इसी तरह देश में हर साल लगभग 10,000 बेरिएट्रिक सर्जरी होती है , जिनमें दो से चार फ़ीसदी तक छोटे बच्चे या किशोर होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू०एच०ओ०) के अनुसार एक व्यस्क पुरुष 2.6 ग्राम ट्रांस फैट हर दिन, जबकि एक महिला 2.1 ग्राम और एक बच्चा (10-12 साल का) 2.3 ग्राम ट्रांस फैट ग्रहण कर सकता है। जंक फूड के अंतर्गत आज जगह-जगह बिकने वाला चाऊमीन बच्चों को बेहद पसंद है , इसमें अजीनोमोटो डाला जाता है जो इसे खास स्वाद देता है। क्या आपको पता है , अजीनोमोटो दिमागी कोशिकाओं को पनपने नहीं देता और कैंसर भी कर सकता है। इसके आसार नजर आने में 7-8 साल लग जाते हैं। कई बच्चे अजीनोमोटो के प्रति संवेदनशील होते हैं , उनमें सिर दर्द, झनझनाहट ,कमजोरी, पेट दर्द आदि लक्षण पाए जाते हैं। फास्ट फूड बच्चों के लिए कितने खतरनाक हैं इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इनके सेवन से बच्चों का बुद्धिलब्धि स्तर (आई क्यू) कमज़ोर होने लगता है। वह मानसिक रूप से विकलांग तक हो सकता है । एक अध्ययन के अनुसार फास्ट फूड खाने वाले बच्चों का बुद्धिलब्धि स्तर घर पर बना ताजा खाना खाने वालों की तुलना में कम होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक बचपन में खाया पौष्टिक भोजन लंबे समय तक बुद्धिमता पर प्रभाव डालता है ।

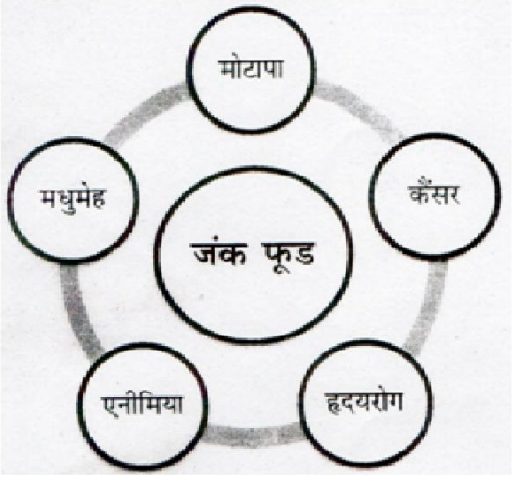

इस समस्या के लिए लोगों को जागरूक हो जाना चाहिए। इसके साथ ही सरकार को चाहिए कि वह लोगों को जानकारी दें कि वे (लोग) फास्ट फूड के प्रति सतर्कता बरतें और अपने परंपरागत

खानपान पर अधिक ध्यान दें ताकि आने वाले समय में उन्हें किसी परेशानी का सामना ना करना पड़े। माता-पिता को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों पर ध्यान दें और उनको समझाएँ कि फास्ट फूड स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

1. जंक फूड का नाम सुनकर कौन-कौन से चित्र आपकी आँखों के सामने उभरते हैं?

2. जंक फूड के सेवन से बच्चे किन बीमारियों के शिकार हो रहे हैं?

3. मोटापे को कम करने के लिए कौन सी सर्जरी करवानी पड़ती है ? क्या आप के आस पास कोई मोटा बच्चा है? उसके मोटापे का क्या कारण है?

4. मान लो वर्ष में लगभग 10,000 बेरिएट्रिक सर्जरी होती है जिसमें 4% छोटे बच्चे या किशोर होते हैं। इनकी संख्या बताएँ ?

5. विश्व स्वास्थ्य संगठन का मुख्यालय कहाँ है?

क) जिनेवा, स्विजरलैंड ख) दिल्ली , भारत

ग) सिडनी, ऑस्ट्रेलिया घ) टोरंटो, कनाडा

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	कठिन

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	जंक फूड से संबंधित कोई भी चित्र, खाद्य पदार्थ,दुकान आदि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

2.	Full Credit	एनीमिया, हृदय रोग, मधुमेह, कम बुद्धि, मोटापा, कैंसर आदि
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी तीन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	बेरिएट्रिक सर्जरी, दूसरे भाग के उत्तर छात्रों की अपनी समझ से भिन्न भिन्न हो सकते हैं, सभी सही उत्तर स्वीकार्य।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक भाग
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	400
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	(क) जेनेवा, स्विटज़रलैंड
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 9

स्त्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : अनुच्छेद-370	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नन कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद-370 में बदलाव का संकल्प और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों (जम्मू कश्मीर और लद्दाख) में बाँटने का बिल सोमवार, 5 अगस्त 2019 को लोकसभा में पारित हो गया। अनुच्छेद -370 में बदलाव के संकल्प के समर्थन में 351 और विरोध में 72 वोट पड़े। दरअसल , 370 में बदलाव के साथ ही जम्मू-कश्मीर में देश का संविधान लागू हो गया। जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा दिए जाने से संबंधित संविधान के अनुच्छेद -370 के प्रमुख प्रावधानों को निष्प्रभावी करने और इस उत्तरी राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांटने के केंद्र सरकार के कदम से दुर्गम क्षेत्र में बसे लेह और लद्दाख के लोगों का दशकों पुराना सपना भी साकार हुआ है। 72 वर्ष पहले भारत संघ में जम्मू कश्मीर के विलय के बाद से लद्दाख इस राज्य का हिस्सा जरूर बना हुआ था , मगर विकास की विसंगतियों और संसाधनों के बंटवारे में भेदभाव के कारण इस क्षेत्र की आकांक्षा एँ दबी रहीं। हैरत नहीं होनी चाहिए कि 1,73,266.37 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला लद्दाख क्षेत्रफल के मामले में देश का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है।

कारगिल और लेह दो जिलों में बंटा यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन से सटा होने के कारण सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील भी है, जहां यह दोनों पड़ोसी अतीत में दुस्साहस कर चुके हैं।

यह बिल मूलतः सरदार पटेल , डॉक्टर बी ० आर ० अंबेडकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी जिन्होंने देश की एकता एवं अखंडता के लिए जीवन कुर्बान किया है , उनको श्रद्धांजलि माना गया है। भारत के साथ जम्मू कश्मीर की निर्द्वंद्व , निष्कंटक और असंदिग्ध एकता में यदि कोई एक बाधा सबसे बड़ी चुनौती बन चुकी थी, तो वह अनुच्छेद-370 था।

अनुच्छेद-370 वास्तव में पाकिस्तान समर्थक अलगाववादियों का रक्षा कवच और वहाँ रहने वाले गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए दिन-रात प्राण सुखाने वाला प्रावधान था। जिसके कारण कश्मीर के मूल निवासी लाखों की संख्या में अपनी जड़ों , अपनी भाषा, अपने संसार से उखाड़ फेंककर शरणार्थी बना दिए गए। अनुच्छेद -370 ने हर आतंकवादी का मनोबल बढ़ाया और तिरंगे के लिए जीने मरने वाले हर देशभक्त को अपने ही देश में बेगाना , विदेशी और अनामंत्रित बोझ बना दिया। आइए जानें धारा 370 में क्या क्या ऐसा था , जो जम्मू कश्मीर को भारत के अन्य राज्यों से अलग करता था :-

इसलिए अनुच्छेद 370 को हटाने की प्रस्तावना हुई। इससे जम्मू-कश्मीर भी भारत के राज्यों की श्रेणी में आ जाएगा। जम्मू कश्मीर की छाया में लद्दाख वर्षों से उपेक्षित ही रहा है , य यहाँ तक कि राज्य के प्रशासनिक ढांचे और सरकारी नौकरियों में क्षेत्र को समुचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला, अब केंद्र शासित क्षेत्र बनने के बाद यह विकास की मुख्यधारा से जुड़ सकेगा।

वास्तव में अनुच्छेद -370 खत्म किए जाने से 72 वर्षों के बाद भारत की सीमाओं में एकमात्र राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का लहराना संभव हो पाया है और दो झंडे , दो निष्ठा वाले लोगों को मुंह की

खानी पड़ी है। यह क्षण वास्तव में राष्ट्रीयता के उल्लासपूर्ण उत्सव का क्षण है।

1. जम्मू कश्मीर भारत के बाकी राज्यों से किस धारा के कारण अलग था?

2 .वर्तमान समय में भारत के कुल कितने केंद्र शासित प्रदेश व राज्य हैं?

3. 5 अगस्त 2019 का दिन भारत में किस प्रकार ऐतिहासिक दिन बन गया?

4. अनुच्छेद-370 के हटने से क्या लाभ होगा?

5. यदि लद्दाख क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा लोकसभा क्षेत्र है। तो 2018 में जनसंख्या की दृष्टि से सबसे अधिक और सबसे कम जनसंख्या वाला भारतीय राज्य बताएँ।

(क) चंडीगढ़ और दिल्ली (ख) राजस्थान और जम्मू-कश्मीर

(ग) उत्तर प्रदेश और सिक्किम (घ) महाराष्ट्र और हैदराबाद

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
4	अभिव्यक्ति	रचनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पी	सरल

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	धारा 370
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	8 केंद्र शासित प्रदेश 28 राज्य।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	इस दिन अनुच्छेद 370 में बदलाव का बिल लोकसभा में पास

		हुआ था आदि अन्य तथ्य।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	छात्र की समझ पर आधारित सकारात्मक उत्तर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	(ग)उत्तर प्रदेश और सिक्किम
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 10

स्त्रोत - स्वरचित	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : विद्यार्थी और अनुशासन	

सीखने के प्रतिफल :

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

हर समय कुछ-न-कुछ सीखने के लिए विद्यार्थी-जीवन ही सर्वोत्तम अवस्था है। जो विद्यार्थी प्रारंभिक अवस्था से अनुशासन का पालन करते हैं व समय का सदुपयोग करते हैं , उन्हें कभी असफलता का मुँह नहीं देखना पड़ता। किसी ने ठीक ही कहा है:-

यही तुम्हारा समय ज्ञान संचय करने का,

संयमशील,सुशील,सदाचारी बनने का,

यह सब संभव हो सकता है यदि अनुशासन हो,

मन में प्रेम, बड़ों का आदर, श्रद्धा का आसन हो।

वयस्कों की अपेक्षा विद्यार्थियों के लिए समय-पालन का कई कारणों से अधिक महत्व है। विद्यार्थियों को एक लंबा जीवन जीना है और सफलता की ऊँची-से-ऊँची मंजिलें तय करनी हैं। दूसरी बात यह है कि विद्यार्थी जीवन में जो आदतें पड़ जाती हैं वे जीवन पर्यंत बनी रहती हैं। विद्यालयों में छात्रों को समय-तालिका दी जाती है लेकिन वह केवल पांच-छह घंटों के लिए होती हैं। शेष 18-19 घंटे छात्रों के स्वयं विवेकपूर्ण उपयोग के लिए रहते हैं।

यदि छात्र 18-19 घंटों की भी कार्य-तालिका बना ले तो निश्चय ही ऐसा करने वाले छात्र ना केवल परीक्षा में अच्छे अंकों से उत्तीर्ण होंगे बल्कि सामाजिक , साहित्यिक, सांस्कृतिक आदि कार्यक्रमों तथा खेलकूद व्यायाम आदि के लिए भी पर्याप्त समय निकाल सकेंगे। समय-तालिका बनाने के बाद उनका दृढ़ता और निष्ठा के साथ पालन करना आवश्यक है। निर्धारित समय पर निश्चित काम करने से ही जीवन में सफलता मिलती हैं। समय का सदुपयोग करने से जीवन में निश्चिंतता आती है, सब कार्य सुचारू रूप से होते चले जाते हैं। प्रत्येक कार्य के लिए समय मिल जाता है , चित्त शांत एवं प्रसन्न रहता है। धरती, सूर्य, चाँद-तारे यहाँ तक की संपूर्ण प्रकृति समय का पालन करती है तो मनुष्य को भी और मुख्य रूप से विद्यार्थी को उसका अनुसरण करना चाहिए।

समय का पालन करने वाला और अनुशासन में रहने वाला विद्यार्थी कभी आलसी नहीं बनता। इसलिए वक्त को बर्बाद मत करो क्योंकि जीवन इसी से बना है।

है समय नदी की बाढ़ जिसमें, सब बह जाया करते हैं।
है समय बड़ा तूफ़ान प्रबल, पर्वत झुक जाया करते हैं।।

1. किन विद्यार्थियों को कभी असफलता का मुँह नहीं देखना पड़ता?

2. कौन सी आदतें जीवन पर्यंत बनी रहती हैं?

(क) विद्यार्थी जीवन में पड़ने वाली (ख) किशोरावस्था में पड़ने वाली

(ग) बाल्यावस्था में पड़ने वाली (घ) अधेड़ अवस्था में पड़ने वाली

3. आप विद्यालय में 1 दिन का कितना प्रतिशत समय लगाते हैं?

4. आपकी कक्षा में 52 विद्यार्थी हैं। यदि आज 7 विद्यार्थी अनुपस्थित हैं, तो कक्षा में कितने प्रतिशत विद्यार्थी आज उपस्थित होंगे?

5. अपनी कार्य-तालिका में आप खेलकूद को कितना समय देंगे ? बताएँ वर्तमान समय में खेलना कूदना क्यों आवश्यक है।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
3	विवेचन	तार्किक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	सृजन	व्याख्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	अनुशासन और समय का सदुपयोग करने वाले।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	(क) विद्यार्थी जीवन में पड़ने वाली।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	लगभग 25%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	86.5%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ के अनुसार दिया गया उत्तर
	Partial Credit	एक भाग का उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान - 11

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : सूचना : विद्यालय की वार्षिक प्रतियोगिताएँ	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

919. सभी विद्यार्थी अपनी भाषाओं की संरचना से हिंदी की समानता और अंतर को समझते हैं।

सूचना: विद्यालय की वार्षिक प्रतियोगिताएँ (सत्र 2019-20)

विद्यालय की वार्षिक प्रतियोगिताओं की घोषणा की जा रही है । सहभागिता के नियमों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है:-

सामान्य नियम:

1. यह प्रतियोगिताएँ केवल हमारे विद्यालय के लिए ही हैं। बाहरी विद्यार्थी व परिवार के सदस्यों की प्रविष्टियां स्वीकार नहीं की जाएंगी।

2. प्रविष्टि हिंदी भाषा में ही भेजें, यह मूल होनी चाहिए।

3. अपना नाम, कक्षा, अनुक्रमांक का उल्लेख अलग कवरिंग पत्र पर ही करें।

4. एक प्रतिभागी को केवल एक खंड के लिए ही प्रविष्टि की अनुमति दी जाएगी।

5. अस्पष्ट प्रविष्टियाँ अयोग्य ठहराई जाएंगी। फोटो प्रतियोगिता के लिए फोटो की केवल प्रिंट कॉपी प्रेषित करनी होगी। सॉफ्ट कॉपी मान्य नहीं होगी।

6. प्राप्त प्रविष्टियाँ वापिस नहीं की जाएँगी। अयोग्य प्रविष्टियाँ प्राप्त होने पर पुरस्कार नहीं दिए जाएँगे।

7. साहित्यिक चोरी के मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा।

8. निर्णायकों का निर्णय अंतिम होगा।

9. सभी प्रविष्टियाँ 'संपादक', हिंदी विभाग, कक्ष नंबर 203 को प्रेषित करें।

क्रमांक संख्या	तिमाही	विषय व प्रतियोगिता	अंतिम तिथि
138	प्रथम तिमाही (अप्रैल से जून)	'फोटो फीचर प्रतियोगिता' 'वसंत ऋतु' कम से कम 5 फोटो। ए-4 शीट पर फोटो लगाकर तथा 10-15 पंक्तियों में जानकारी।	31 मई 2019
139	द्वितीय तिमाही (जुलाई से सितंबर)	घोषवाक्य/स्लोगन प्रतियोगिता 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अथवा 'स्वच्छ भारत अभियान' घोषवाक्य/स्लोगन केवल दो पंक्तियों का ही होना चाहिए ।	31 अगस्त 2019
140	तृतीय तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर)	निबंध लेखन प्रतियोगिता राष्ट्रपिता महात्मा गांधी (कक्षा 6 से 8 तक) भारत से प्रतिभा पलायन (कक्षा 9 से 12 तक) 200 से 225 शब्द सीमा	30 नवंबर 2019
141	चतुर्थ तिमाही (जनवरी से मार्च)	कविता लेखन प्रतियोगिता (स्वरचित) कोई भी त्योहार अथवा प्राकृतिक सौंदर्य 20-25 पंक्तियाँ ।	15 फरवरी 2020

1. प्रस्तुत नोटिस में यह वार्षिक प्रतियोगिताएँ किस सत्र में आयोजित की जा रही हैं?

2. क्रमांक संख्या 139 की प्रतियोगिता का शीर्षक बताइए?

3. 'कविता लेखन' शीर्षक सम्बंधित प्रतियोगिता की क्रमांक संख्या बताइए?

4. यदि विद्यालय में प्रतिभागियों की कुल संख्या 465 है तथा कुल 125 लड़के विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं तो बताओ कितनी लड़कियाँ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले रही हैं?

5. तिमाही से आप क्या समझते हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	संकेत की समझ	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	सरल
5	व्यापक समझ	तार्किक	सरल

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	2019-2020
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	घोष वाक्य/ स्लोगन प्रतियोगिता।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	141
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	340
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	3 महीने
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान -12

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : अनुच्छेद	उप विषय : गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी)	
सीखने के प्रतिफल : **905.** समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं। **907.** दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं। **913.** भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि। **918.** अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।		

गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) अप्रत्यक्ष कर यानी इनडायरेक्ट टैक्स है। जीएसटी के तहत वस्तुओं और सेवाओं पर एक समान टैक्स लगाया जाता है। संविधान के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारें अपने हिसाब से वस्तुओं और सेवाओं पर टैक्स लगा सकती हैं , अगर कोई कंपनी या कारखाना एक राज्य में अपने उत्पाद बनाकर दूसरे राज्य में बेचता है तो उसे की तरह के टैक्स दोनों राज्यों को चुकाने होते हैं , जिससे उत्पाद की कीमत बढ़ जाती है , जीएसटी लागू होने से उत्पादों की कीमत कम होगी ।

2014 में पास संविधान के 122वे में संशोधन के मुताबिक जीएसटी सभी तरह की सेवाओं और वस्तुओं/उत्पादों पर लागू होगा , सिर्फ पेट्रोलियम, बिजली, अल्कोहल और रियल स्टेट को जीएसटी में शामिल नहीं किया गया है।

जीएसटी में वैट जैसा ही टैक्स है , लेकिन इसके लागू होने से कई और तरह के टैक्स नहीं लगेंगे , इतना ही नहीं जीएसटी लागू होने से अभी लगने वाला वैट खत्म हो जाएगा ।

जीएसटी लागू होने से सबसे बड़ा फायदा आम आदमी को होगा। पूरे देश में किसी भी सामान की कीमत एक ही रहेगी। कर विभाग के अधिकारियों द्वारा कर में हेराफेरी की संभावना भी कम हो जाएगी। सिर्फ इसी टैक्स से सारे टैक्स वसूल कर लिए जाएंगे। इसके लागू होने से टैक्स का ढांचा पारदर्शी होगा जिससे काफी हद तक टैक्स विवाद कम होंगे। जीएसटी लागू होने पर कंपनियों

और व्यापारियों को भी फायदा होगा। सामान एक जगह से दूसरी जगह ले जाने में कोई दिक्कत नहीं होगी। जब सामान बनाने की लागत घटेगी तो इससे सामान भी सस्ता होगा। जीएसटी काउंसिल ने जीएसटी के 4 रेट को मंजूरी दी है। काउंसिल ने जीएसटी के रेट 5,12,18 और 28 तय किए हैं। 12 और 18 फ़ीसदी स्टैंडर्ड रेट होंगे।

1. जीएसटी का अर्थ क्या होगा, छाँटिए:-

क) गुड्स एंड सर्विस टेंडर ख) गुड्स एंड स्मार्ट टैक्स

ग) गुड्स एंड सर्विस टैक्स घ) गुड्स एंड स्मॉल टैक्स

2. सन् 2014 में संविधान के किस संशोधन द्वारा जीएसटी सभी तरह की सेवाओं व उत्पादों पर लागू हुआ?

3. जीएसटी किन वस्तुओं/ उत्पादों पर लागू नहीं होगा?

4. निम्नलिखित में से कौन सी दर जीएसटी के अंतर्गत नहीं आती?

क) 5 ख) 12 ग) 18 घ) 25

5. एसटी किस प्रकार का टैक्स है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनःप्राप्ति	तुलनात्मक	औसत
4	विश्लेषण	बहुविकल्पिय	सरल
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	गुड्स एंड सर्विस टैक्स।

	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	122वें संशोधन द्वारा।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	अल्कोहल, बिजली, पेट्रोलियम, रियल एस्टेट
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	(घ) 25
	No Credit	कोई अन्य विकल्प
5.	Full Credit	अप्रत्यक्ष कर/इनडायरेक्ट टैक्स
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 13

स्त्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : रिपोर्ट	उप विषय: चंद्र यान : 2	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नन कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

15 जुलाई 2019 को छपे इस समाचार को ध्यानपूर्वक पढ़ें एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर:

चंद्रयान-2 लिखेगा अंतरिक्ष में नया अध्याय

मिशन चंद्रयान

- चांद पर पहुंचने वाला चौथा देश होगा भारत, खर्च होंगे 978 करोड़
- 15 जुलाई को तड़के 2:51 पर लॉन्च होगा चंद्रयान-2 मिशन

आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत सोमवार को अपने महत्वाकांक्षी स्पेस मिशन चन्द्रयान-2 को लॉन्च करेगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन डॉक्टर के. सिवन ने शनिवार को बताया कि हम 15 जुलाई को तड़के 2:51 बजे चन्द्रयान-2 लॉन्च होगा। मिशन के लिए भारत के सबसे ताकतवर रॉकेट जीएसएलवी एमके-3 का इस्तेमाल होगा। सफल लॉन्चिंग के बाद चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-2 के लैंड करने में करीब 2 महीने का वक्त लगेगा। चंद्रयान-2 आंध्र प्रदेश से सटे एक द्वीप से उड़ान भरेगा। मिशन सफल रहा तो चंद्रयान-2 के 6 सितंबर को चांद की सतह पर उतरने की संभावना है। चंद्रयान-2 मिशन पर कुल 978 करोड़ रुपए की लागत आई है। करीब एक दशक पहले चंद्रयान-1 ने चांद की सतह पर पानी की खोज की थी, जो बड़ी उपलब्धि थी।

सतह पर उतरेगा चंद्रयान

चंद्रयान-2 मिशन की खास बात यह है कि इस बार यह चांद की सतह पर उतरेगा। 2008 में लॉन्च हुआ चंद्रयान-1 चंद्रमा की कक्षा में जरूर था गया लेकिन वह चंद्रमा पर उतरा नहीं था। उसे चांद की सतह से 100 किलोमीटर की ऊंचाई पर स्थित कक्षा में स्थापित किया गया था। चंद्रयान-2 मिशन के तहत चांद की सतह पर एक रोवर को उतारा जाएगा जो अत्याधुनिक उपकरणों से लैस होगा। रोवर चांद की मिट्टी का विश्लेषण करेगा और उसमें मिनरल्स के साथ-साथ हीलियम-3 गैस की संभावना तलाशेगा, जो भविष्य में ऊर्जा का संभावित स्रोत हो सकता है। चंद्रयान-2 पर कुल 14 पेलोड होंगे, जिनमें 13 भारतीय और एक नासा का पेलोड है। ऑर्बिटर पर 8, लैंडर पर 4 और रोवर पर 2 पेलोड होंगे।

ऐसे होगी चांद पर लैंडिंग

लॉन्च के बाद धरती की कक्षा से निकलकर चंद्रयान-2 रॉकेट से अलग हो जाएगा। रॉकेट अंतरिक्ष में नष्ट हो जाएगा और चंद्रयान-2 चांद की कक्षा में पहुंचेगा। इसके बाद लैंडर ऑर्बिटर से अलग हो जाएगा। ऑर्बिटर चंद्रमा की कक्षा का चक्कर लगाना शुरू कर देगा। फिर लैंडर चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से पर उतरेगा। यान को उतरने में लगभग 15 मिनट लगेंगे और तकनीकी रूप से यह लम्हा चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि भारत ने पहले कभी ऐसा नहीं किया है। लैंडिंग के बाद लैंडर का दरवाजा खुलेगा और वह रोवर को रिलीज करेगा। रोवर के निकलने में करीब 4 घंटे का समय लगेगा। फिर यह वैज्ञानिक परीक्षणों के लिए चांद की सतह पर निकल जाएगा। इसके 15 मिनट के अंदर ही इसरो को लैंडिंग की तस्वीरें मिलनी शुरू हो जाएंगी।

1. चंद्रयान-2 मिशन पर लगभग कितनी लागत आई ?
2. जिस प्रकार अमेरिका का अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 'नासा' है, उसी प्रकार आप भारत के अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का नाम बताइए?
3. 15 मिनट में कितने सेकेंड होते हैं?
4. चाँद पर कदम रखने वाले पहले भारतीय का नाम लिखें।
5. क्या समाचार पत्रों में केवल खबरें ही पढ़ने को मिलती हैं? अपने विचार लिखिए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	सरल
4	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	सरल
5	सृजन	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	978 करोड़
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	इसरो/ ISRO
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	900 सेकंड
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	राकेश शर्मा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिया गया कोई भी उपयुक्त उत्तर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 14

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग- 1
पाठ का प्रकार : तालिका	उप विषय : देश व उनकी मुद्राएं	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

देश	जर्मनी	अमेरिका	बांग्लादेश	इंग्लैंड	नेपाल	जापान	संयुक्त अरब	थाइलैंड	म्यांमार	आस्ट्रेलिया	पाकिस्तान	इंडोनेशिया
मुद्रा	यूरो	डॉलर	टका	पाउंड	रुपया	येन	दिरहम	बाह्ट	क्यात	डॉलर	रुपया	रुपैया
मूल्य	76.60	68.73	0.81	83.72	0.63	0.63	18.32	2.23	0.046	47.36	0.43	0.0049

उपरोक्त तालिका में विभिन्न देशों की मुद्रा का लगभग मूल्य भारतीय मुद्रा अनुसार बताया गया है ।

1. किसी देश की मुद्रा का मूल्य उसकी किस व्यवस्था को दर्शाता है?

   क) सामाजिक ख) राजनीतिक ग) आर्थिक घ) धार्मिक

2. अगर तुम बंगला देश जाते हो तो समान खरीदने के लिए कौनसी मुद्रा का प्रयोग करोगे ?
3. आशीष पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहा है। वहां उसकी 1 वर्ष की फीस $5000 है भारत में रहने वाले उसके माता -पिता जी ने कितने भारतीय रुपयों से आशीष की फीस भरी होगी?

4. विश्व में रुपए और डॉलर मुद्रा को किस प्रकार चिह्नित किया जाता है?

(1) रु (2) ¥ (3) € (4) $ (5) £

उपरोक्त में से सही चुनाव करें:-

(क) (1) और (2) (ख) (3) और (4)

(ग) (1) और (4) (घ) (3) और (4)

5. श्रीलंका की आधिकारिक मुद्रा कौन सी है?

क) येन ख) रुपया ग) टका घ) पीसो

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	सरल
2	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	विश्लेषण	तार्किक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पीय	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	(ग) आर्थिक
	No Credit	कोई अन्य विकल्प
2.	Full Credit	टका
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	236800
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	(ग) 1और 4
	No Credit	कोई अन्य विकल्प
5.	Full Credit	रुपया
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 15

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : तुम कब जाओगे अतिथि	
सीखने के प्रतिफल : **904.** अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं। **906.** देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। **908.** अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। **913.** भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि। **918.** अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।		

तुम जहाँ बैठे निस्संकोच सिगरेट का धुआँ फेंक रहे हो, उसके ठीक सामने एक कैलेंडर है। देख रहे हो ना! इसकी तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ाती रहती हैं। विगत दो दिनों से मैं तुम्हें दिखाकर तारीखें बदल रहा हूँ। तुम जानते हो , अगर तुम्हें हिसाब लगाना आता है कि यह चौथा दिन है, तुम्हारे सतत अतिथ्य का चौथा भारी दिन! पर तुम्हारे जाने की कोई संभावना प्रतीत नहीं होती। लाखों मील लंबी यात्रा करने के बाद भी वे दोनों एस्ट्रानाट्स भी इतने समय चांद पर नहीं रुके थे, जितने समय तुम एक छोटी-सी यात्रा कर मेरे घर आए हो। तुम अपने भारी चरण-कमलों की छाप मेरी ज़मीन पर अंकित कर चुके , तुमने एक अंतरंग निजी संबंध मुझसे स्थापित कर लिया, तुमने मेरी आर्थिक सीमाओं की बैंजनी चट्टान देख ली ; तुम मेरी काफी मिट्टी खोद चुके। अब तुम लौट जाओ, अतिथि ! तुम्हारे जाने के लिए यह उच्च समय अर्थात् हाईटाइम है। क्या तुम्हें तुम्हारी पृथ्वी नहीं पुकारती?

उस दिन जब तुम आए थे , मेरा हृदय किसी अज्ञात आशंका से धड़क उठा था। अंदर-ही-अंदर कहीं मेरा बटुवा काँप गया। उसके बावजूद एक स्नेह- भीगी मुसकराहट के साथ मैं तुमसे

गले मिला था और मेरी पत्नी ने तुम्हें सादर नमस्ते की थी। तुम्हारे सम्मान में ओ अतिथी, हमने रात के भोजन को एकाएक उच्च-मध्यम वर्ग के डिनर में बदल दिया था। तुम्हें स्मरण होगा कि दो सब्ज़ियों और रायते के अलावा हमने मीठा भी बनाया था। इस सारे उत्साह और लगन के मूल में एक आशा थी। आशा थी कि दूसरे दिन किसी रेल से एक शानदार मेहमाननवाजी की छाप अपने हृदय में ले तुम चले जाओगे। हम तुमसे रुकने के लिए आग्रह करेंगे, मगर तुम नहीं मानोगे और एक अच्छे अतिथि की तरह चले जाओगे। पर ऐसा नहीं हुआ! दूसरे दिन भी तुम अपनी अतिथि-सुलभ मुस्कान लिए घर में ही बने रहे। हमने अपनी पीड़ा पी ली और प्रसन्न बने रहें। स्वागत-सत्कार के जिस उच्च बिंदु पर हम तुम्हें ले जा चुके थे , वहाँ से नीचे उतर हमने फिर दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की और रात्रि को तुम्हें सिनेमा दिखाया। हमारे सत्कार का यह आखिरी छोर है , जिससे आगे हम किसी के लिए नहीं बढ़े। इसके तुरंत बाद भावभीनी विदाई का वह भीगा हुआ क्षण आ जाना चाहिए था , जब तुम विदा होते और हम तुम्हें स्टेशन तक छोड़ने छोड़ने जाते। पर तुमने ऐसा नहीं किया।

1. घर में कोई न कोई अतिथि अवश्य आता है , तुम्हें किसका आना अच्छा लगता है और क्यों?
2. चाँद पर सर्वप्रथम जाने वाले दोनों व्यक्तियों के नाम बताओ?
3. लेखक का बटुवा क्यों काँप गया था?
4. मेहमानों के आने पर बाहर से खाना मँगवाते समय मोहित ने 2 रायता , 3 सब्जी, एक दाल व 20 चपातियाँ मँगवाई। ऑनलाइन माध्यम से भुगतान करने पर उसे 10% रकम वापिस मिली। निम्न सूची के आधार पर बताए मोहित को कितनी रकम वापिस मिली?
5. मेहमान के रूप में किसी के घर जाने पर हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए ?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा-नौवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सृजनात्मकता	रचनात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	तथ्यात्मक	औसत
3	सूचना की पुनः प्राप्ति	संकेतात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल

उत्तरमाला

1.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिया गया सही उत्तर ।
	Partial Credit	उपरोक्त में से किसी एक का उत्तर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	नील आर्मस्ट्रांग , बज़ ऑलड्रिन
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	उस पर आर्थिक बोझ आ पड़ा अथवा छात्र की अपनी भाषा में लिखा सही उत्तर।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	रु 50 वापिस मिले।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिया गया सही उत्तर ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 16

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : वर्तमान में आई॰सी॰टी की भूमिका	

सीखने के प्रतिफल :

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नह कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

912. संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

प्रौद्योगिकीय अग्रिमों ने हमेशा जीवन स्तर , साक्षरता और स्वास्थ्य के बढ़ने की ओर अग्रसर किया है। वैश्वीकरण के 21 वें युग में आई ॰सी॰टी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) सामाजिक-आर्थिक विकास की एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सूचना प्रौद्योगिकी और संचार प्रौद्योगिकी को स्वतंत्र रूप से विकसित किया गया था , लेकिन बाद में वे सामान्यतः सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आई॰सी॰टी) के रूप में संदर्भित एक नई सूचना पर्यावरण का निर्माण करने के लिए संयुक्त थे।

आई॰सी॰टी सूचना प्रौद्योगिकी के बारे में संवाद करने और प्रबंधित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले तकनीकी उपकरण हैं । आई॰सी॰टी के पुराने रूप में रेडियो और टेलीफोन शामिल हैं, जबकि इस शताब्दी में आई ॰सी॰टी में कंप्यूटर का उपयोग , विभिन्न वायरलेस तकनीकों या प्रमुख उपकरण इंटरनेट शामिल हैं। आई ॰सी॰टी को एक सूचना प्रबंधन उपकरण के रूप में भी माना जा सकता है , जो मूल रूप से विकासशील देशों में उनके विकास के लिए मुख्य रूप से उत्पादन, वितरण और आदान-प्रदान करता है। आई ॰सी॰टी के उपकरण एक विशाल नेटवर्क का निर्माण करते हैं जो दुनिया के हर कोने तक पहुंचता है।

ग्रामीण विकास आर्थिक विकास से संबंधित है और साथ ही पर्याप्त और आवश्यक आवश्यकताओं को प्रदान करके ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने के लिए आईसीटी ग्रामीण विकास में मदद करने के लिए नया उपकरण हो सकता है। आई ॰सी॰टी ग्रामीण क्षेत्रों में सूचनाओं की उपलब्धता और पहुँच बढ़ाने और सामाजिक संबंधों को बनाने और बदलने के लिए सहायता प्रदान करने में मदद कर सकता है। आई ॰सी॰टी ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने और टिकाऊ ग्रामीण विकास को प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीकों की पेशकश कर एक अभिन्न अंग चलाते हैं।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन को कम करने के लिए भारत सरकार कई परियोजनाओं को लागू कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में मुख्य रूप से स्वास्थ्य , शिक्षा, सरकार और बुनियादी ढांचे में शहरी क्षेत्रों के पीछे आते हैं। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों से भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान करने में मदद करने के लिए इस अंतर को दूर करने के लिए तत्काल आवश्यकता है। लेकिन सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे नई प्रौद्योगिकियों के अनुकूल हों और उनकी आवश्यकता को समझें , जो कि ज्यादातर अशिक्षित हैं। भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाएं और कार्यक्रम निम्न हैं:

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई): यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। असंबद्ध गांवों के लिए सबसे पुराना कार्यक्रम शुरू किया गया।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना (पीएमजीए): ग्रामीण भारत के लिए आवास उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार द्वारा यह योजना शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन्हें सम्माननीय के घर बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना था। 2017 तक भारतीय गांवों से अस्थायी घरों को बदलने की सरकार का प्रमुख दृष्टिकोण है

राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एनएसएपी): यह भारत सरकार की एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना है जो सामाजिक पेंशन के रूप में वृद्ध , विधवा और विकलांग व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

प्रधानमंत्री ग्रामीण विकास फैलो (पीएमआरडीएफ): यह योजना ग्रामीण इलाकों या देश के पृथक और दूरदराज के इलाकों में मदद करने के लिए अपने जीवन को बेहतर बनाने और गरीबी को कम करने के लिए शुरू किया गया था। यह ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी) , भारत सरकार (भारत सरकार) और राज्य सरकारों की एक पहल है।

ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाओं का प्रावधान (पूर्वा): यह एक रणनीति है जो ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और बेहतर सुविधाओं के निर्माण के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं का प्रस्ताव पेश करती है , ताकि ग्रामीण इलाकों में आर्थिक अवसर पैदा हो सकें। यह अवधारणा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा। ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा दी गई थी।

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में मुख्य रूप से सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाएं सुधारना , साथ ही साथ स्वास्थ्य , शिक्षा और अन्य आवश्यक क्षेत्रों के लिए आधारभूत सुविधाएं प्रदान करना शामिल हैं। आई ॰सी॰टी संचार और साथ ही सूचना प्रौद्योगिकी (आई॰सी॰टी) कार्यों का एक अद्वितीय संयोजन है ग्रामीण विकास के लिए एक प्रेरणा शक्ति के रूप में भारत में आई ॰सी॰टी की तेजी ने पहले ही लोगों के जीवन में बदलाव शुरू कर दिया है।

1. आई॰सी॰टी का क्या अभिप्राय है?
2. आई॰सी॰टी में शामिल पुराने और नए उपकरणों का नाम लिखे।
3. विकासशील देशों को विकसित करने में आई सी टी के योगदान का वर्णन करें।
4. ग्रामीण लोगो को घर बनाने मे वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कौन सी योजना बनायी गई है?

क) ग्राम सड़क योजना ख) ग्रामीण आवास योजना ग) ग्रामीण विकास फैलो

5. भारत सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं का मुख्य उद्देश्य क्या है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक सरल	सरल
2	विवेचन	तुलनात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	रचनात्मकता	औसत
4	सूचना की पुनः प्राप्ति	बहुविकल्पीय	सरल
5	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	सूचना और संचार प्रौद्योगिक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	पुराने– रेडियो ,टेलीविजन, टेलीफ़ोन । नए– कंप्यूटर, वायरलेस उपकरण , इंटरनेट
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिए गए सही बिंदु ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	(ख) ग्रामीण आवास योजना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	सामाजिक- आर्थिक विकास , शिक्षा- स्वास्थ्य सुविधाएं , रोज़गार के अवसर प्रदान करना आदि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 17

स्त्रोत - समाचार पत्र	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश /चित्र	उप विषय : पर्यावरण प्रदूषण	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नय कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कल तक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

"भगवान का शुक्र है कि इंसान उड़ नहीं सकता, नहीं तो पृथ्वी के साथ ही आकाश को भी बर्बाद कर देता।" हेनरी डेविड थोरियु।

जैसे-जैसे शहर विकसित हो रहे हैं, हरियाली कम और कंक्रीट के जंगल बढ़ते जा रहे हैं। हर साल प्रदूषण के मामले में बढ़ोतरी हो रही है। यदि हम अभी से नहीं चेते तो आने वाले कुछ सालों में साफ हवा में सांस लेने के लिए सिर्फ पहाड़ और जंगल ही बचे रह जाएंगे। इसी कारण 5 जून को पूरी दुनिया में पर्यावरण से जुड़ी अनेक गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। पर्यावरण सुरक्षा के उपायों को लागू करने के लिए हर उम्र के लोगों को प्रोत्साहित किया जाता है। पेड़-पौधे लगाना, साफ-सफाई अभियान, रीसाइक्लिंग, सौर ऊर्जा, बायोगैस, बायो खाद, सीएनजी वाले वाहनों का इस्तेमाल, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी तकनीक अपनाने पर बल दिया जाता है। सड़क रैलियों , नुक्कड़ नाटकों या बैनरों से ही नहीं, एस एम एस, फेसबुक, ट्विटर, ईमेल के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाता है। बच्चों के लिए पेंटिंग , वाद-विवाद, निबंध-लेखन जैसे राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं।

इसी क्रम में 5 जनवरी के दिन को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र महासभा और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में की थी। 5 जून 1973 को पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। जिसमें हुए संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों पर विचार किया गया। 1974 के बाद से विश्व पर्यावरण दिवस का सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाने लगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 19 नवंबर 1986 में लागू किया गया। यूएनईपी हर साल पर्यावरण संरक्षण के अभियान को प्रभावशाली बनाने के लिए विशेष विषय (थीम) और नारा चुनता है। जिसके अंतर्गत 2019 की थीम 'बीट एयर पॉल्यूशन' है। मेजबान देश में विभिन्न देशों के प्रतिनिधि हिस्सा लेते हैं और पर्यावरण के मुद्दों पर बातचीत और काम होता है। जिसमें हर साल 143 से अधिक देश हिस्सा लेते हैं और इसमें कई सरकारी , सामाजिक और व्यावसायिक लोग पर्यावरण की सुरक्षा समस्या आदि विषय पर बात करते हैं।

सामान्य जनता को भी इसमें योगदान देना चाहिए। इसके लिए वह अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखें। सड़क पर कूड़ा न फेंके, और न ही कूड़े में आग लगाएं। कूड़ा रीसाइकल के लिए भेजें। प्लास्टिक, पेपर, ई-कचरे के लिए बने अलग-अलग कूड़ेदान में कूड़ा डालें , ताकि वह आसानी से रीसाइकल के लिए जा सकें। वाहन चालक निजी वाहन की बजाय कार-पूलिंग , गाड़ियों, बस या ट्रेन का उपयोग करें। कम दूरी के लिए साइकिल चलाना पर्यावरण और सेहत के लिहाज से बेहतर है। पानी बचाने के लिए घर में लो-फ्लशिंग सिस्टम लगवाएं , जिससे शौचालय में पानी कम खर्च हो। शावर से नहाने के बजाय बाल्टी से नहाएं। ब्रश करते समय पानी का नल बंद रखें। हाथ धोने में भी पानी धीरे चलाएं। गमलों में लगे पौधों को बाल्टी से पानी दें। नल में कोई भी लीकेज हो तो उसे प्लंबर से तुरंत ठीक करवाएं ताकि पानी टपकने से बरबाद न हो। नदी तालाब जैसे जल स्रोतों के पास कूड़ा न डालें। यह कूड़ा नदी में जाकर पानी को गंदा करता है। घर की

छत पर या बाहर आंगन में टब रखकर बारिश का पानी जमा करें। इसे फिल्टर करके फिर से इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस प्रकार तेजी से बढ़ते हुए प्रदूषण के स्तर को कम किया जा सकता है।

1. पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस किस वर्ष में और कहां मनाया गया?
2. भारत के संविधान में पर्यावरण संरक्षण हेतु नियम कब लागू किया गया?
3. आपके अनुसार वातावरण को स्वच्छ रखने के लिए क्या गतिविधियां करनी चाहिए ? गद्यांश से हटकर कुछ बताने का प्रयास करें।
4. कॉलेज के मित्र -- 5 पौधे प्रति,

   कार्यालय के मित्र -- 8 पौधे प्रति,

   अंकुश के परिजन -- 12 पौधे प्रति,

   अंकुश की पत्नी के परिजन -- 15 पौधे प्रति

   अंकुश प्रदूषण पर अंकुश लगाने हेतु इस वर्ष पर्यावरण दिवस पर अपने प्रत्येक मित्र और परिजनों को उपरोक्त अनुसार पौधे उपहार में देता है। तो बताएं:-

क) अंकुश ने अपने कॉलेज के 8 मित्रों और कार्यालय के 7 मित्रों को कुल कितने पौधे उपहार में दिए?

ख) यदि अंकुश के परिजनों की संख्या 12 है और उसकी पत्नी के परिजनों की संख्या 10 है तो उस ने किस को अधिक पौधे उपहार में दिए?

5. आप जानते हैं कि प्रत्येक वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। आप इस विशेष दिवस पर कुछ नया और विशेष क्या करना चाहेंगे?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
3	सृजनात्मकता	रचनात्मक	औसत

4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	सृजन	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	5 जून 1973, स्टाकहोम।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	19 नवंबर 1986
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	छात्र की अपनी समझ से दिए गए सही बिंदु ।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	(क) 96 (ख) पत्नी के परिजनों को।
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक(क /ख)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	छात्र की मौलिक अभिव्यक्ति
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 18

स्त्रोत- पाठ्य पुस्तक (स्पर्श भाग 1)	**कक्षा - 9**	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : शुक्र तारे के समान	

सीखने के प्रतिफल :

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।

'शुक्र तारे के समान ' पाठ में लेखक ने गांधी जी के निजी सचिव महादेव भाई देसाई की बेजोड़ प्रतिभा और व्यस्ततम दिनचर्या का वर्णन किया है। लेखक का मानना है कि जिस तरह शुक्रतारा अपनी आभा दिखाकर घंटे दो घंटे में अस्त हो जाता है , उसी प्रकार गांधीजी के सचिव महादेव भाई भी भारत की स्वतंत्रता के उषाकाल में अपनी आभा दिखाकर अचानक ही अस्त हो गए। गांधीजी उन्हें अपने पुत्र से भी अधिक मानते थे। वे सन् 1917 में गांधी जी के पास आए थे। सन् 1919 में जलियाँ वाला बाग हत्याकांड के संदर्भ में जब गांधी जी को पंजाब जाते हुए पलवल स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया तो उसी समय उन्होंने महादेव भाई को अपना वारिस कह दिया था। सन 1929 में महादेव भाई ने सारे देश में यात्राएँ की थी।इन्ही दिनो पंजाब से फौजी शासन के अत्याचारों और नेताओं की गिरफ्तारी के समाचार आ रहे थे। गांधीजी के सामने जुल्मों और अत्याचारों की कहानियाँ पेश करने के लिए बहुत से लोग आते थे। महादेव जी उनकी संक्षिप्त टिप्पणी करके गांधीजी को सुनाया करते थे। गांधीजी मुख्य राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक 'बॉम्बे क्रॉनिकल' में इन सब विषयों पर लेख लिखा करते थे। कुछ दिनों में 'क्रॉनिकल' के निडर अंग्रेज संपादक हार्नीमैन को सरकार ने देश-निकाला की सज़ा देकर इंग्लैंड भेज दिया। उन दिनों मुंबई के

तीन बड़े नेता थे- शंकर लाल वैंकट ,डम्मर सोवानी और जमनादास द्वारकादास। ये नेता 'यंग इंडिया' नाम का अंग्रेजी साप्ताहिक निकालते थे। हार्नीमैन के चले जाने से इसमें लिखने वालों की कमी खलने लगी।फलस्वरुप इन लोगों ने गांधी जी से संपादक बनने की विनती की।

तब गांधीजी ने उनकी इच्छा पूर्ण करते हुए 'यंग इंडिया' का संपादन कार्य संभाल लिया। काम इतना बढ़ गया था कि साप्ताहिक पत्र भी कम पड़ने लगा। ' यंग इंडिया' को दो बार प्रकाशित किया गया। बाद में 'नवजीवन' नामक समाचार- पत्र भी गांधीजी के पास आ गया। इन दोनों के लेख टिप्पणियां आदि का काम महादेव देखने लगे थे। इन पत्रों में महादेव लेखन के अलावा गांधीजी के कार्यकलापों का विवरण भी देते थे।

गांधीजी के संपर्क में आने से पहले महादेव भाई ने अनुवाद विभाग में नौकरी की थी। बाद में वकालत भी की। वकालत के साथ- साथ उन्होंने टैगोर और शरतचंद्र साहित्य का अनुवाद भी किया था। मगर गांधीजी के संपर्क में आने के बाद वे साहित्यिक लेखन ना कर सके।

महादेव भाई की लेखन शैली प्रभावशाली थी कि लोग चकित रह जाते थे उन्हें शॉर्टहैंड नहीं आती थी फिर भी मुलाकातों का पूरा पूरा विवरण उनकी डायरी में दर्ज होता था। अक्षर इतने सुंदर होते थेकि उनके लिखे पत्रों की लिखावट देखकर वाइसराय भी आह भरते थे।महादेव तेज गति के साथ अति सुंदर अक्षर लिखते थे।

महादेव भाई का व्यक्तित्व ऐसा था कि जो भी उनसे एक बार मिलता , वह कई दिनों तक उन्हें याद करता था। इतनी व्यस्तताओं के बाद उनके लिए रात और दिन का मतलब नहीं था। वे अपना काम अच्छी तरह पूरा करना जानते थे। इस व्यस्त जीवन के बीच वे सूत भी कात लेते हैं , यह सुनकर लोग दंग रह जाते थे।

काम की व्यस्तता और और मौसम की मार की वजह से महादेव भाई का शरीर जवाब दे देता था। असहनीय गर्मी में रोजाना 11 मील पैदल चलना सुबह से शाम तक काम करना- यही उनकी अकाल मृत्यु का कारण बना।उनकी मौत का घाव गांधीजी के दिल में सदा बना रहा।

1. 13 अप्रैल 1919 को जलियाँवाला बाग हत्याकांड हुआ था। आज उसे हुए कितने वर्ष बीत चुके हैं?
2. यदि महादेव न होते तो क्या 'गांधी जी' का अस्तित्व क्या होता?
3. गांधी जी द्वारा चलाए गए आंदोलनों में से किन्ही दो आंदोलनों का नाम लिखिए।
4. एक मील 1.609 किलोमीटर का होता है। यदि महादेव 1 दिन में 11 मील चलते थे, तो दिन में वे कुल कितने किलोमीटर चलते थे?
5. महादेव भाई की लेखन शैली की क्या विशेषता थी?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	विश्लेषण	तार्किक	सरल
2	सृजन	रचनात्मक	सरल
3	व्यापक	तथ्यात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	101 वर्ष
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	छात्र की मौलिक अभिव्यक्ति।
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन, सत्याग्रह , भारत छोड़ो आंदोलन (कोई दो आंदोलन)
	Partial Credit	उपरोक्त में से एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	17.699 किलोमीटर
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	प्रभावशाली सुंदर लिखावट ,तेज गति के साथ लिखना आदि ।
	Partial Credit	उपरोक्त में से एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 19

स्त्रोत - स्वरचित	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : बादल का फटना- प्राकृतिक आपदा	

सीखने के प्रतिफल :

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्न1 कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

914. अपने आस-पास के रोज़ाना बदलते पर्यावरण पर ध्यान देते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए सचेत होते हैं। जैसे–कल तक यहाँ पेड़ था, अब यहाँ इमारत बनने लगी?

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

बारिश के दिनों में पहाड़ों पर बादल फटने की घटना एँ सामान्य रूप से घटती हैं। बादल फटना होता क्या है? बादल फटने का मतलब यह नहीं होता कि बादल के टुकड़े हो गए। बादल फटना बारिश का एक चरम रूप है। इस घटना में बारिश के साथ साथ कभी-कभी गरज के साथ ओले भी पड़ते हैं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जब एक जगह पर अचानक एक साथ बारिश हो जाए तो उसे बादल फटना कहते हैं। या यूँ कहें कि अगर पानी से भरा गुब्बारा अचानक फोड़ दिया जाए तो सारा पानी एक ही जगह तेज़ी से नीचे गिरने लगता है। वैसे ही बादल फटने से पानी से भरे बादल की बूँदें तेजी से अचानक जमीन पर गिरती है। इसे फ्लैश-फ्लड भी कहा जाता है। यह घटना तब घटती है, जब काफी ज्यादा नमी वाले बादल एक जगह पर रुक जाते हैं ; वहां मौजूद पानी की बूंदे आपस में मिल जाती है। बूँदों के भार से बादल का घनत्व बढ़ जाता है और बारिश शुरू हो जाती हैं बादल फटने पर 100 मिली मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बारिश हो सकती है। यह घटना पहाड़ों पर ही अधिक होती है क्योंकि पहाड़ों की ऊंचाई के कारण बादल आगे नहीं बढ़ पाते हैं। एक ही स्थान पर रुके होने के कारण तेजी से बरसते हैं। पहाड़ों पर अमूमन 15

किलोमीटर की ऊंचाई पर बादल फटते हैं। इनका दायरा ज्यादातर एक वर्ग किलोमीटर से ज्यादा कभी भी रिकॉर्ड नहीं किया गया है। बादल फटने से जो सैलाब बनता है। वह रुकता नहीं है और तेजी से पानी नीचे आता है , जो अपने साथ मिट्टी , कीचड़ और पत्थरों के टुकड़े ले आता है। इसकी गति इतनी तेज होती है कि इसके सामने पड़ने वाली हर चीज बर्बाद हो जाती हैं। इस कारण इसे आपदा की श्रेणी में रखा गया है। यह धारणा कि बादल फटने की घटना पहाड़ों पर ही होती है।उचित नहीं है। 26 जुलाई 2005 को मुंबई में बादल फटने की घटना ने यह धारणा बदल दी।कई बार बादल के मार्ग में अचानक गर्म हवा का झोंका आ जाए तो भी बादल फटने की घटना हो जाती है जैसे मुंबई में हुई।

भारत में बादल फटने कई घटना एँ हुई हैं। 16-17 जून 2013 को सबसे बड़ी त्रासदी केदारनाथ में बादल फटने से हुई थी। 10 मिनट तक तेज बारिश और भूस्खलन से करीब 5 लोग मारे गए थे। इसी तरह 6 अगस्त 2010 को भी केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के शहर में सिलसिलेवार ढंग से फटे कई बादलों ने लगभग पूरा लेह शहर तबाह कर दिया था। इस घटना में 115 लोगों की मृत्यु हो गई थी जबकि 300 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

भारत ही नहीं विश्व में अनेक ऐसे बादल फटने की घटनाएँ हुई है। 24 अगस्त 1906 में अमेरिका के वर्जीनिया गिन्नी में बादल फटने से सबसे अधिक 40 मिनट तक करीब 25 इंच बारिश हुई। इससे भारी तबाही हुई। 29 नवंबर 2011 में पनामा के पोर्ट बेल्स में 5 मिनट में 2.43 इंच बारिश हुई। 7 जुलाई 1947 में रोमानिया के कर्टी-दे-आर्गस में 20 मिनट तक 8.1 इंच बारिश हुई थी।

1. 'बादल फटने' का क्या अर्थ है?

2. जिस प्रकार बादल फटना एक आपदा है। उसी प्रकार किन्ही दो प्राकृतिक आपदाओं के नाम लिखिए।

3. आकाशीय बिजली चमकने पर क्या क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

4. यदि 1 घंटे में लगातार 13.2 इंच बारिश होती है तो 180 मिनट में कितनी बारिश होगी?

5. किस मौसम में पर्वत-स्खलन और बादल फटने की घटनाएं ज्यादा होती है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनः प्राप्ति	तथ्यात्मक	सरल
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	सरल
4	विश्लेषण	तार्किक	औसत
5	व्यापक समझ	वर्णात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	बारिश का चरम रूप/ भारी वर्षा
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	ओलावृष्टि, सुनामी ,भूकंप ,तूफान, बिजली गिरना, बादल फटना(कोई दो या अधिक)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	इमारत के अंदर रहें , पेड़ों -खंभों से दूर रहें , उकड़ूँ बैठ जाएँ, जल स्रोतों से दूर रहें। (कम से कम दो)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	39.6 इंच
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	बरसात/ वर्षा ऋतु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 20

स्त्रोत - पाठ्य पुस्तक	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : स्मृति	
सीखने के प्रतिफल : **904.** अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं। **906.** देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। **908.** अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि। **912.** संगीत, फ़िल्म, विज्ञापनों खेल आदि की भाषा पर ध्यान देते हैं। जैसे--- उपर्युक्त विषयों की समीक्षा करते हुए उनमें प्रयुक्त रजिस्टरों का उपयोग करते हैं।**9** **915.** अपने साथियों की भाषा , उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्त करते हैं।		

बचपन में बच्चे कुछ ऐसी शरारतें करते हैं, जिनका भविष्य में भयंकर परिणाम भी निकल सकता है। इसी विषय को स्पष्ट करते हुए डॉ॰ श्रीराम शर्मा बताते हैं कि वे स्कूल जाते हुए अनेक शरारतें करते थे। उनमें से एक थी सूखे कुएँ में पड़े साँप पर ढेला फेंक कर उसकी फुसकार पर ठहाका लगाना। एक दिन जब लेखक स्कूल जाने लगा तो उसके बड़े भाई ने रास्ते में पढ़ने वाले मक्खनपुर डाकखाने में कुछ चिट्ठियाँ पोस्ट करने के लिए दी। हर रोज की तरह जैसे ही लेखक ने कुएँ के पास जाकर ढेला फेंका तो उसकी टोपी कुएँ में गिर गई, जिसमें चिट्ठियाँ थी। उसने कुएँ में उतर कर चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय लिया क्योंकि उसे विश्वास था कि वह अपने डंडे से साँप को मारकर चिट्ठियाँ लेकर आसानी से बाहर आ जाएगा। नीचे उतर कर वह साँप को तो नहीं मार सका लेकिन चालाकी एवं समझदारी से चिट्ठियाँ उठाने में कामयाब रहा।

से डंडे को साँप के पास से उठाने में बड़ी कठिनाई पड़ी। जीत तो लेखक की हो चुकी थी , पर वह अपना निशाना गँवा चुका था। उसने साँप के दाएँ-बाएँ मिट्टी फेंक कर उसका ध्यान बताया और डंडा उठाने में कामयाब हो गया।

अब ऊपर चढ़ना एक कठिन कार्य था। वह बिना पैरों की सहायता से हाथों के बल केवल 15 से 20 फुट की चढ़ने की हिम्मत रखता था। 11 वर्ष की बाल्यावस्था में वह एक-एक इंच सरक कर 36 फुट ऊपर चढ़ा। उसकी बाहें भर गई और छाती धड़कने लगी। यदि ऊपर चढ़ते हुए हाथ छूट जाता तो उसके बाद क्या परिणाम निकलता, उसकी कल्पना करते ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। किशनपुर के एक लड़के ने उसकी कु एँ से चिट्ठियाँ निकालने की चेष्टा को देख लिया था। लेखक ने वह घटना किसी को भी ना बताने की उसे बार-बार चेतावनी दी थी। सन 1915 में मैट्रिकुलेशन पास करने के उपरांत उसने यह घटना माँ को सुनाई तो सजल नेत्रों से मां ने उसे अपनी गोद में ऐसे बिठा लिया जैसे चिड़िया अपने बच्चों को डैने के नीचे छुपा लिया। कितने अच्छे दिन थे वे। उस समय राइफल ना थी , डंडा था और डंडे का शिकार। कम से कम उस साँप का शिकार राइफल के शिकार से कम रोचक और भयानक न था।

1. लेखक ने कुएँ वाली घटना किशनपुर के लड़के को किसी से ना कहने की बार बार चेतावनी। क्यों दी?
2. लेखक मुश्किल से एक-एक इंच स रक कर ऊपर चढ़ा 36 फुट ऊपर चढ़ने में उसे कितने इंच सरकना पढ़ा होगा?
3. क्या पशु पक्षियों में भी मनुष्य की तरह अपने बच्चों के प्रति संवेदना की भावना होती है?
4. जब जीवन होता है तब हजारों ढंग बचने के निकल आते हैं पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए?
5. डंडे को साँप के पास से उठाने में लेखक को इतनी कठिनाई क्यों आ रही थी?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा-नौवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सृजनात्मक	रचनात्मक	औसत
2	विश्लेषण	तार्किक	कठिन
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
5	सूचना की पुनः प्राप्ति	तार्किक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	डाँट या पिटाई के भय के कारण
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	432 इंच
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	छात्र की मौलिक अभिव्यक्ति ,'हाँ 'में उत्तर अपेक्षित
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	पशु पक्षी भी मनुष्यों की भांति अपने बच्चों का पालन पोषण करते हैं उनके सुख-दुःख के प्रति संवेदनशील होते है (विद्यार्थियों द्वारा उचित उत्तर मान्य है)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	क्योंकि कुएं का व्यास कम था और डंडा सांप के बहुत समीप था
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 21

स्त्रोत - इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग - 1
पाठ का प्रकार : गद्यांश	उप विषय : वैज्ञानिक दृष्टिकोण आज की आवश्यकता	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं।

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

908. अपने अनुभवों, भावों और दूसरों की राय, विचारों को लिखने की कोशिश करते हैं। जैसे--- आँख बंद करके यह दुनिया, व्हीलचेयर से खेल मैदान आदि।

911. पाठ्यपुस्तकों में शामिल रचनाओं के अतिरिक्त , जैसे-- कविता, कहानी, एकांकी, गद्य-पद्य की अन्य विधाओं को पढ़ते-लिखते हैं और कविता की ध्वनि और लय पर ध्यान देते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन 'इसरो 'भारत का राष्ट्रीय अंतरिक्ष संस्थान है। जिसका मुख्यालय बंगलुरु (कर्नाटक) में है। संस्थान में लगभग 17000 कर्मचारी एवं वैज्ञानिक कार्यरत हैं। संस्थान का मुख्य कार्य भारत के लिए अंतरिक्ष संबंधी तकनीक उपलब्ध कराना है।

अंतरिक्ष कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों में उपग्रहों प्रमोचक यानों, परिज्ञापी रॉकेटों और प्रणालियों का विकास शामिल है। इसकी स्थापना 15 अगस्त 1969 में हुई थी। इस संस्थान का आदर्श वाक्य है-' मानव जाति की सेवा में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी' भारत का पहला उपग्रह आर्यभट्ट 19 अप्रैल 1975 में सोवियत संघ द्वारा छोड़ा गया था। इसका नाम गणितज्ञ आर्यभट्ट के नाम पर रखा गया था। 7 जून 1979 को भारत का दूसरा उपग्रह भास्कर , 1980 में रोहिणी उपग्रह ,22 अक्टूबर

2008 को चंद्रयान-1, 24 सितंबर 2014 को मंगलयान और 22 जुलाई 2019 को चंद्रयान-2 भेज चुका है।

जून 2016 तक इसरो लगभग 20 अलग-अलग देशों के 57 उपग्रहों को भी लॉन्च कर इससे अब तक 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर कमा चुका है। क्या हम कल्पना भी कर सकते हैं कि जो देश 1963 में भारत के पहले रॉकेट के पुर्जों को एक साइकिल पर लाया गया था । उसी देश भारत का अंतरिक्ष संस्थान ' इसरो ' भारत के सबसे सफल और महत्वपूर्ण संगठनों में से एक है ।

आज अमेरिका के जीपीएस सिस्टम की तरह भारत का अपना जीपीएस सिस्टम है जिसका नाम आई० आर० एन० एस० एस० है। भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह के डायरेक्टर थे -डॉ एपीजे अब्दुल कलाम। पिछले 40 सालों में इसरो ने जितना पैसा खर्च किया है वह नासा के 1 वर्ष के खर्च से भी आधा है देश में प्रतिभा और तकनीक कोई कमी नहीं है। यदि भारतीय युवाओं को देश में ही अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त हों तो प्रतिभावान छात्रों का पलायन होने से रोका जा सकता है । ब्रेन-ड्रेन की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। एयरोस्पेस के क्षेत्र में उच्च प्रतिभाशाली युवाओं

के अनुसंधान और सेवाओं का लाभ अन्य उद्योगों के भी को भी मिलेगा । इससे देश के आर्थिक विकास को गति मिलेगी । हमारे स्पेस कार्यक्रम का लक्ष्य आम आदमी के फायदे पर है। किसान को कैसे मौसम की सटीक भविष्यवाणी दें, मछुआरों को कहां ज्यादा मछलियाँ मिलेंगी, जमीन में सटीक जगह पर पानी कहां मिलेगा आदि की जानकारी सेटेलाइट से ही मिल सकती है। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में उपग्रह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जंगलों में आग लगे या कहीं बाढ़ आए , उसमें भी उपग्रह अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहे हैं। केंद्र सरकार की योजना एँ जरूरतमंदों तक पहुँचे पा रही हैं या नहीं इसकी निगरानी दिल्ली में बैठकर देखी जा सकती हैं। पंचायतों के साथ सीधा संपर्क बढ़ा है। इन सब उपलब्धियों का राष्ट्रीय स्तर पर यही संदेश है कि हम धर्म और जाति जैसे भेदभाव भुलाकर इसरो की तरह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से काम करेंगे तो हमारी समृद्धि और सफलता को नए पंख लगेंगे और भारत को विश्व शक्ति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा।

1. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की तरह भारत का भी अपना अंतरिक्ष संगठन है। इसका नाम बताइए।
2. क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी दूसरे देशों के लिए भी काम करती है ? अपने उत्तर की पुष्टि करें।
3. यदि इसरो का 2019-20 का अनुमानित बजट 12,473 करोड़ रुपए है और नासा का 2019-20 का अनुमानित बजट 500 बिलियन यूएस डॉलर है तो यह भारत के बजट से कितना कम या अधिक है? अंतर ज्ञात करें। (मन लो 1 यूएस डॉलर-74.55 रु)
4. ब्रेन ड्रेन से आप क्या समझते हैं?
5. भारतीय स्पेस कार्यक्रम आम आदमी के लिए किस प्रकार लाभदायक है?

हिन्दी प्रतिमान (कक्षा-नौवीं) भाग - 1

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तख्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	तार्किक	कठिन
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1	Full Credit	भारतीय अन्तरिक्ष अनुसन्धान संगठन (इसरो)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	हाँ , विभिन्न देशों के 57 उपग्रहों को लोंच किया है
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	अपने देश के प्रतिभावान लोगों का अवश्यक सुविधाओं और रोजगार के आभाव मे अन्य देशों की और पलायन
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	500,000,000,000x 74.55 = 3,72,75,00,00,00,000 12473 करोड़ = 1,24,73,00,00,00,000 अंतर 2,48,02,00,00,00,00
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	प्रतिभावान छात्रों को देश में रोजगार • किसान को मौसम की ठीक जानकारी • जमीनी पानी की जानकारी • प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए • बनाई गई नीतियाँ आम जनता तक पहुंची या नहीं की जानकारी
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो

Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt, Line spacing: single
Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt, Line spacing: single
Formatted: Centered, None, Space Before: 0 pt, Line spacing: single, Don't keep with next, Don't keep lines together
Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt, Line spacing: single
Formatted: Centered, None, Space Before: 0 pt, Line spacing: single, Don't keep with next, Don't keep lines together
Formatted: Centered, Space After: 0 pt
Formatted: Centered, Space After: 0 pt, Line spacing: single

	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 22

स्त्रोत- इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग- 1
पाठ का प्रकार: गद्यांश	उप विषय: मोबाइल सकारात्मक दृष्टिकोण	

सीखने के प्रतिफल :

907. दूसरों द्वारा कही जा रही बातों को धैर्य से सुनकर उन्हें समझते हुए अपनी स्पष्ट राय व्यक्त करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

915. अपने साथियों की भाषा , उनके विचार, व्यवहार, खान-पान, पहनावा संबंधी जिज्ञासा को कहकर और लिखकर व्यक्त करते हैं।

918. अपने परिवेश की समस्याओं पर प्रश्न तथा साथियों से बातचीत/चर्चा करते हैं।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मोबाइल की सुविधा अपना एक अलग ही स्थान बना चुकी है। बाजार में भिन्न-भिन्न प्रकार के मोबाइल उपलब्ध हैं। समाज का प्रत्येक व्यक्ति मोबाइल को अपने शरीर के अंग की तरह साथ लेकर चलता है। उसके बिना यह अपने को अपाहिज सा महसूस करने लगता है। इसका कारण स्पष्ट है कि मोबाइल नहीं व्यक्ति को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जगत की सभी ज्ञानवर्धक जानकारियों से जोड़ा है और संप्रेषण की दुनिया को आसान बनाया है। किंतु साथ ही उसके द्वारा अनावश्यक तथा गुमराह करने वाली बहुत सारे ऐप्स से भी जोड़ दिया है। जिसका युवा वर्ग पर बहुत ही बुरा असर पड़ रहा है इनसे फेसबुक, ट्विटर तथा व्हाट्सएप जैसे विभिन्न प्रकार के एप्स द्वारा युवा वर्ग का समय भी बहुत बर्बाद करवाया है।

लोग इसकी हानिकारक तरंगों से अवगत होते हुए भी घंटों बातें करते रहते हैं , जिससे उनकी सेहत पर बहुत ही बुरा प्रभाव पड़ता है। यहां तक कि लोग बहरेपन के भी शिकार हो जाते

हैं। अतः मोबाइल के उपयोग में लाभ और हानि दोनों ही समाहित हैं। आज का विद्यार्थी इसका सबसे ज्यादा शिकार हो रहा है। उच्च वर्ग के अभिभावक अपने बच्चों को आवश्यकता से अधिक स्टैंडर्ड का मोबाइल दिला देते हैं। लेकिन इसकी उपयोगिता को न जानते हुए बच्चे इसका दुरुपयोग करने लगते हैं। इसके प्रति हमें सचेत रहना होगा। इसकी उपयोगिता को समझना होगा। यह एक ऐसी देन है जिसमें व्यक्ति और समाज को सभी प्रकार के सुख-दुख के समाचारों से जोड़ा है। हमें इसकी कद्र करनी चाहिए। इस अद्भुत देन को हमें संभाल कर, सम्मान पूर्वक

अपने जीवन क्षेत्र में उपयोग करना होगा तभी संप्रेषण में हम सफल हो पाएँगे।

मोबाइल फोन की बढ़ती उपयोगिता के फलस्वरुप विभिन्न कंपनि यां नए-नए मॉडल बाज़ार में उतारती रहती है। उनका एकमात्र उद्देश्य अधिक से अधिक लाभार्जन है। हाल ही में विभिन्न कंपनियो ने त्योहारों के बहाने अपने उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने हेतु अपने कुछ उत्पादों की कीमत में कटौती की है ताकि उनके उत्पादों की बिक्री बढ़ती रहे व बाज़ार में उनका वर्चस्व बढ़े। विभिन्न कंपनियों के द्वारा दी गयी छूट के बाद नई कीमतों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	**कंपनी**	**मॉडल**	**कीमत**
1	लेनोवो	K8 पावर	12,500
2	सैमसंग	M20	14,000
3	सोनी	Xperia	15,500
4	एप्पल	I-6	58,000
5	वीवो	V7	14,500
6	रेडमी	Note7	13,000

1. मोबाइल के बिना समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने आपको कैसा महसूस करता है ?

2. यदि भाषा हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जोड़ती है तो अन्य कौन से साधन है जो हमें आपस में जोड़ते हैं?
3. आप अपने मित्र को मोबाइल के दुरुपयोग से कैसे बचाएंगे?
4. उपर्युक्त गद्यांश में वर्णित सबसे अधिक मूल्य वाला मोबाइल कौन सी कंपनी का है और उसका मूल्य क्या है? सबसे कम मूल्य वाला मोबाइल किस कंपनी का है ? दोनों कंपनियों के मोबाइल की कीमतों में अंतर पता कीजिए।

5. नीचे विभिन्न मोबाइल कंपनियों की बाज़ार में हिस्सेदारी (% में) पाई चार्ट के माध्यम से दर्शाई गई है, इस आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें -

क). अपने उत्पादों के लिए कौन सी कंपनी अधिक विश्वसनीय व लोकप्रिय है?

ख) किस कंपनी के उत्पाद ज्यादा प्रचलन में नहीं है?

ग). बाज़ार में किन-किन कंपनियों के उत्पाद ज्यादा खरीदे जाते है ? प्रथम तीन स्थानों की सूची बनाए।

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	सृजन	वर्णानात्मक	औसत
4	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन
5	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

उत्तरमाला :

1	Full Credit	अपाहिज
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	मोबाइल , इन्टरनेट, टेलीविजन, रेडियो
	Partial Credit	मोबाइल
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	1. मोबाइल प्रयोग की हानियों से अवगत करवा कर सेहत पर पड़ने वाले प्रभाव जैसे बहरापन, त्वचा सम्बन्धी रोग आदि (छात्र के उत्तर मान्य हैं)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	अधिक कीमत वाला मोबाइल - एप्पल मूल्य = 58000रु सबसे कम कीमत वाला मोबाइल-लेनोव = 12500रु अंतर = 45500रु
	Partial Credit	अधिक कीमत वाला मोबाइल - एप्पल मूल्य = 58000रु सबसे कम कीमत वाला मोबाइल-लेनोव = 12500रु या अंतर = 45500 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	1. सैमसंग 2. लेनोव 3. सैमसंग, रेडमी, विवो
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 23

स्त्रोत- इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग- 1
पाठ का प्रकार: गद्यांश	उप विषय: सब पढ़े सब बढ़े	

सीखने के प्रतिफल :

901. सामाजिक मुद्दों (जेंडरभेद, जातिभेद, विभिन्न प्रकार के भेद) पर कार्यक्रम सुनकर/देखकर अपनी राय व्यक्त करते हैं। जैसे - जब सब पढ़ें तो पड़ोस की मुसकान क्यों न पढ़े ? या मुसकान अब पार्क में क्यों नहीं आती?

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नय कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

सामाजिक तथा आर्थिक सशक्तीकरण के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी माध्यम होता है। संविधान के अनुच्छेद 21ए के तहत , जहाँ शिक्षा को मौलिक अधिकार माना गया है और विकलांग अधिनियम 1995 के अनुच्छेद 26 में विकलांग बच्चों को 18 वर्षों की उम्र तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान किया गया है । जनगणना 2001 के मुताबिक , 51% विकलांग व्यक्ति निरक्षर हैं। यह एक बहुत बड़ी संख्या है। विकलांग लोगों को सामान्य शिक्षा प्रणाली की मुख्यधारा में लाने की जरूरत है।

सरकार द्वारा चलाया गया सर्व शिक्षा अभियान (SSA) का 8 वर्षों तक बच्चों के प्राथमिक स्कूलिंग प्रदान करने का लक्ष्य है , जिसमें 6 से 14 वर्ष के बच्चे भी शामिल हैं। विकलांग बच्चों के लिए समेकित शिक्षा के तहत 15 से 18 वर्षों तक की उम्र के विकलांग बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी।

सर्व शिक्षा अभियान के तहत शिक्षा विकल्पों का एक सातत्य , सीखने वाले यंत्र औजार , गत्यात्मकता सहायता, सहायक सेवाएं इत्यादि विकलांग छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसमें शामिल है मुक्त शिक्षण प्रणाली , ओपन स्कूल, वैकल्पिक स्कूलिंग, दूर शिक्षा, विशेष स्कूल, जहाँ भी आवश्यक हो घर आधारित शिक्षा , भ्रमणकारी शिक्षक मॉडल , उपचार वाली शिक्षा , पार्ट टाइम कक्षाएँ, समुदाय आधारित पुनर्वास व व्यावसायिक शिक्षा के जरिए शिक्षा प्रदान करने का कार्य।

राज्य सरकारों, स्वायत्त निकायों तथा स्वयंसेवी संगठनों के जरिए क्रियान्वित आईईडीसी योजना विशेष शिक्षकों , पुस्तक व लेखन सामग्रियों , यूनिफॉर्म, परिवहन, दृष्टि से कमजोर व्यक्तियों के लिए पाठक भत्ता , हॉस्टल भत्ता, उपकरण लागत, वास्तु अवरोधों को हटाता/सुधार करना, निर्देशात्मक सामग्रियों की खरीद/उत्पादन के लिए वित्तीय सहायता , सामान्य शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण व संसाधन कमरों के लिए यंत्र-उपकरण जैसी सुविधाओं के लिए सौ फीसदी वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

नियमित सर्वेक्षणों, उचित स्कूलों में उनकी उपस्थिति और शिक्षा पूरी करने तक उनकी निरंतरता के जरिए बच्चों में विकलांगता की पहचान हेतु सरकार की ओर से केंद्रित प्रयास किया जाएगा। सरकार विकलांग बच्चों को सही प्रकार की शिक्षण सामग्रियों तथा पुस्तक प्रदान करने , शिक्षकों व स्कूलों को सही रूप से प्रशिक्षण व सुग्राही बनाने के लिए प्रयास करेगी , जो पहुँच में आने योग्य तथा विकलांग हितैषी हो।

भारत सरकार ऐसे विकलांग छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करती है ताकि स्कूल के बाद के स्तर पर पढ़ाई में उन्हें मदद मिल सके। सरकार यह छात्रवृत्ति जारी रखेगी व इसके कवरेज का विस्तार करेगी।

विभिन्न प्रकार की उत्पादक गतिविधियों के लिए उपयुक्त योग्यता निर्माण के लिए तकनीकी तथा व्यावसायिक शिक्षा सुविधा प्रदान की जाएगी। जिसके लिए मौजूदा संस्थान या कार्यरत या अछूते

क्षेत्रों के अधिकृत संस्थानों का अनुकूलन किया जाएगा। गैर सरकारी संगठनों को भी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

विकलांग व्यक्तियों को उच्च शिक्षा व व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए विश्व विद्यालयों, तकनीकी संस्थानों तथा उच्च शिक्षा के अन्य संस्थानों में पहुँच प्रदान की जाएगी।

1. सन 2001 की जनगणना के मुताबिक कितने प्रतिशत दिव्यांग व्यक्ति निरक्षर थे?

2. सर्व शिक्षा अभियान के तहत दिव्यांग छात्रों के लिए किस प्रकार के शिक्षा विकल्प उपलब्ध है?

3. दिव्यांग छात्रों के लिए शिक्षा के किन क्षेत्रों में आने वाली वित्तीय सहायता का प्रावधान है?

4. किस अधिनियम और अनुच्छेद के तहत दिव्यांग बच्चों को अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है?

5. यदि एक दृष्टिबाधित छात्र को सरकार द्वारा यूनिफॉर्म के लिए 1000प्रति वर्ष परिवहन भत्ता 500मासिक ब्रेल मशीन के लिए 30000वर्ष में एक बार और हॉस्टल भत्ता 2000 प्रतिमाह मिलता है तो छात्र को 1 वर्ष में कितनी वित्तीय सहायता मिलती है?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
4	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
5	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1	Full Credit	51%
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	मुक्त शिक्षा प्रणाली,,ओपन स्कूल,वैकल्पित स्कूलिंग, दूर शिक्षा घर आधारित शिक्षा, भ्रमणकारी शिक्षक माडल,उपचारी शिक्षा आदि (कोई चार)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	पुस्तक, लेखन सामग्री यूनिफार्म परिवहन पाठक भत्ता उपकरण लगत शिक्षकों के प्रशिक्षण व संसाधन आदि सुविधाएँ(कोई चार)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	अधिनियम 1995 अनुछेद 26
	Partial Credit	अधिनियम 1995/ अनुछेद 26 (कोई एक)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	61000 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 24

स्त्रोत - पाठ्य पुस्तक(स्पर्श भाग 1)	कक्षा - 9	भाग- 1
पाठ का प्रकार: गद्यांश	उप विषय: कीचड़ का काव्य	
सीखने के प्रतिफल : 903. पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त नई रचनाओं के बारे में जानने/समझने को उत्सुक हैं और उन्हें पढ़ते हैं। 904. अपनी पसंद की अथवा किसी सुनी हुई रचना को पुस्तकालय या अन्य स्थान से ढूँढ़कर पढ़ने की कोशिश करते हैं। 906. देखी-सुनी , सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं। 910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं। 913. भाषा-साहित्य की बारीकियों पर चर्चा करते हैं , जैसे--- विशिष्ट शब्द-भंडार, वाक्य-संरचना, शैली-संरचना, मौलिकता आदि।		

हम आकाश का वर्णन करते हैं, पृथ्वी का वर्णन करते हैं, जलाशयों का वर्णन करते हैं। पर कीचड़ का वर्णन कभी किसी ने नहीं किया है? कीचड़ में पैर डालना कोई पसंद नहीं करता, कीचड़ से शरीर गंदा होता है, कपड़े मैले हो जाते हैं। अपने शरीर पर कीचड़ उड़े यह किसी को भी अच्छा नहीं लगता और इसीलिए कीचड़ के लिए किसी को सहानुभूति नहीं होती। यह सब यथार्थ है। किंतु तटस्थता से सोचें तो हम देखेंगे कि कीचड़ में कुछ कम सुंदर नहीं है। पहले तो यह कि कीचड़ का रंग बहुत सुंदर है। पुस्तकों के गत्तों पर , घरों की दीवालों पर अथवा शरीर पर के कीमती कपड़ों के लिए हम सब पर कीचड़ के जैसे रंग पसंद करते हैं। कलाभिज्ञ लोगों को भट्ठी में पकाए हुए मिट्टी के बर्तनों के लिए यही रंग बहुत पसंद है। फोटो लेते समय भी यदि उसमें कीचड़ का , एकाध ठीकरे का रंग आ जाए तो उसे वार्म टोन कहकर लोग खुश-खुश हो जाते हैं। पर लो, कीचड़ का नाम लेते ही सब बिगड़ जाता है।

नदी के किनारे जब कीचड़ सूखकर उसके टुकड़े हो जाते हैं , तब कितने सुंदर दिखते हैं। ज़्यादा गर्मी से जब उन्हीं टुकड़ों में दरारें पड़ती हैं और वे टेढ़े हो जाते हैं , तब सुखाए हुए खोपरे जैसे दीख पड़ते हैं। नदी किनारे मीलों तक जब समतल और चिकना कीचड़ एक-सा फैला हुआ होता है, तब वह दृश्य कुछ कम खूबसूरत नहीं होता। इस कीचड़ का पृष्ठ भाग कुछ सूख जाने पर उस पर बगुले और अन्य छोटे-बड़े पक्षी चलते हैं , तब तीन नाखून आगे और अंगूठा पीछे ऐसे उनके पद चिह्न , मध्य एशिया के रास्ते की तरह दूर-दूर तक अंकित देख इसी रास्ते अपना कारवाँ ले जाने की इच्छा हमें होती है।

फिर जब कीचड़ ज्यादा सूखकर जमीन ठोस हो जाए , तब गाय, भैंस, भेड़, बकरी इत्यादि के पदचिह्न उस पर अंकित होते हैं उसकी शोभा और ही है और फिर जब दो मदमस्त पाड़े अपने सींगों से कीचड़ को रौंदकर आपस में लड़ते हैं तब नदी किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नो से मानो वही महि षाकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो-ऐसा भास होता है।

1. कीचड़ को पसंद क्यों नहीं किया जाता?
2. कीचड़ जैसे रंग की कौन सी वस्तुएँ हैं?
3. दीवाली पर श्याम मिट्टी के बनाए दीप बेचता है। यदि एक दीप की कीमत □4 है और उसे दिन में □38 की कमाई हुई तो उसने दिन में कितने दीप बेचे?
4. 'तटस्थ' कौन होता है?
5. आपने अपने बचपन में मिट्टी से कौन-कौन से खिलौने बनाए हैं?

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	विश्लेषण	तुलनात्मक	कठिन

4	सृजन	तार्किक	कठिन
5	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत

उत्तरमाला :

1.	Full Credit	कीचड़ यदि शरीर पर लगे तो भद्दा दिखाई देता है और यदि कपडे पर लग तो कपडे को मैला कर देता है
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2.	Full Credit	पुस्तक के गत्ते, घरों की दीवारों, कीचड़ रंग के कपडे, मिट्टी के बर्तनों का रंग, फोटो खिचवाते समय कीचड़ के रंग का ठीकरा उसमे दिख जाए तो सुंदर दिखता है(कोई तीन)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3.	Full Credit	92 रु
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4.	Full Credit	निरपेक्ष होने की अवस्था /परस्पर विरोधी पक्षों से अलग रहने वाला
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5.	Full Credit	मिट्टी के चिड़िया आदि पक्षी, गुड्डा- गुड्डी, गाड़ी, खेलने के लिए बर्तन आदि (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर

प्रतिमान 25

स्त्रोत- इन्टरनेट	कक्षा - 9	भाग- 1
पाठ का प्रकार: गद्यांश	उप विषय: स्वच्छ भारत अभियान	

सीखने के प्रतिफल :

902. अपने आस-पड़ोस के लोगों, स्कूली सहायकों या स्कूली साथियों की आवश्यकताओं को कह और लिख पाते हैं।

905. समाचारपत्र, रेडियो और टेलीविज़न पर प्रसारित होने वाले विभिन्नक कार्यक्रमों, खेल, फ़िल्म, साहित्य-संबंधी समीक्षाओं, रिपोर्टों को देखते, सुनते और पढ़ते हैं।

906. देखी-सुनी, सुनी-समझी, पढ़ी और लिखी घटनाओं/रचनाओं पर स्पष्टतया मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति करते हैं।

910. सामाजिक मुद्दों पर ध्यान देते हुए पत्र, नोट लेखन इत्यादि कर पाते हैं।

स्वच्छ भारत अभियान जिसे क्लीन इंडिया मिशन के नाम से भी जाना जाता है , भारत सरकार द्वारा की गई एक अनोखी पहल है जिसके अंतर्गत भारत को एक साफ़ एवं स्वच्छ देश बनाने का फैसला लिया गया। यह अभियान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महात्मा गाँधी की 145वीं जन्मतिथि, 2 अक्टूबर 2014 को उनकी समाधी राजघाट, नई दिल्ली से शुरू किया गया था। पूजनीय राष्ट्रपिता गांधी जी ने स्वच्छता को ईश्वर भक्ति के बराबर माना था इसीलिए वे स्वच्छता की शिक्षा सभी को देते थे। इसी के तहत जिस आश्रम में वे रहते थे वहाँ रोजाना सुबह चार बजे उठकर स्वयं सफाई करते थे। उन्होंने वर्धा आश्रम में अपना स्वयं का शौचालय बनवाया था जिसको प्रतिदिन सुबह- शाम साफ भी करते थे। गांधी जी के स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए श्री नरेंद्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करी। स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्य:-

1. खुले में शौच बंद करवाना जिसके तहत हर साल न जाने कितने ही लोग बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

2. लगभग 11 करोड़ 11 लाख व्यक्तिगत,सामूहिक शौचालयों का निर्माण करवाना जिसमे 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

3. उचित स्वच्छता का उपयोग करके लोगों की मानसिकता को बदलना ।

4. गाँवो को स्वच्छ रखना।

5. 2019 तक सभी घरों में पानी की पूर्ति सुनिश्चित कर के गाँवों में पाइपलाइन लगवाना जिससे स्वच्छता बनी रहे।

6. ग्राम पंचायत के माध्यम से ठोस और तरल अपशिष्ट की अच्छी प्रबंधन व्यवस्था सुनिश्चित करना। सड़कें फुटपाथ ओर बस्तियाँ साफ रखना।

7. साफ सफाई के ज़रिए सभी में स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना आदि।

स्वच्छ भारत अभियान में शामिल मंत्रालय:-

शहरी विकास मंत्रालय, राज्य सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय, गैर सरकारी संगठन, पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम व निगम। स्वच्छ भारत अभियान में न केवल आम लोग , सरकारी मंत्रालय के साथ ही प्रधानमंत्री द्वारा सहयोग प्रदान करने वाले लोगों में मृदुला सिन्हा, बाबा रामदेव, कमल हासन, सलमान खान, प्रियंका चोपड़ा और तारक मेहता का उल्टा चश्मा की टीम जैसी नामचीन हस्तियों भी इस अभियान से जुड़ी हैं। स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने के लिए कई कार्यक्रम व परियोजनाएं शुरू की गई ।

स्वच्छता पखवाड़ा-

अप्रैल 2016 में शुरू स्वच्छता पखवाड़ा का लक्ष्य केन्द्रीय मंत्रालयों व उनके विभागों द्वारा स्वच्छता के विभिन्न मसलों पर केन्द्रित पखवाड़े का आयोजन करना है।विद्यालय स्तर पर भी स्वच्छता को अपनाते हुए सफाई अभियान चलाया गया। पखवाड़ा गतिविधियों के लिये योजना बनाने में मंत्रालयों की मदद करने के लिये उन्हें एक वार्षिक कैलेण्डर बाँटगया।

नमामि गंगे-नमामि गंगे कार्यक्रम जल संसाधन मंत्रालय की एक पहल है जिसके तहत गंगा तट पर बसे गाँवों को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना है और ठोस व तरल कचरा प्रबन्धन की दिशा में आ रही समस्याओं को पेयजल व स्वच्छता मंत्रालय द्वारा दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तराखण्ड , उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के लगभग 52 जिलों के सभी 4470 गाँवों को राज्य सरकारों की मदद से खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित किया गया है। मंत्रालय एनएमसीजी के सहयोग से गंगा तट पर बसे 24 गाँवों को गंगा ग्राम में तब्दील करने का प्रयास कर रहा है।

स्वच्छता कार्य-योजना (एसएपी)-एसएपी स्वच्छता हेतु अपनी तरह का अनूठा कार्यक्रम है। सभी यूनियन मंत्रालय/विभागों ने इसे साकार करने के लिये उपयुक्त बजट प्रावधानों के साथ अर्थपूर्ण तरीके से काम करना शुरू कर दिया है। स्वच्छ शक्ति-8 मार्च 2017 स्वच्छ शक्ति का आयोजन अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस पर किया गया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सभा को सम्बोधित किया। इस मौके पर देश भर से लगभग 6000 चुनिन्दा महिला सरपंच, जमीनी स्तर पर काम करने वालों ने शिरकत की और स्वच्छता चैम्पियंस को ग्रामीण भारत में स्वच्छ भारत का सपना साकार करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिये सम्मानित किया गया।

स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि प्रतियोगिता स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि प्रतियोगिता (17 अगस्त से 8 सितम्बर) -माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि के तहत 2022 तक नए भारत के निर्माण के लक्ष्य का आह्वान किया। इस सपने के परिदृश्य में पेयजल

व स्वच्छता मंत्रालय ने स्वच्छता को जन आन्दोलन बनाने की दिशा में देश भर में फिल्म, निबन्ध व चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

दरवाजा बन्द मीडिया अभियान व्यवहारगत बदलाव के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दरवाजा बन्द शीर्षक से एक गम्भीर मास मीडिया अभियान चलाया गया , जिसमें लोग खासकर पुरुषों द्वारा शौचालय के प्रयोग को प्रमोट करने का प्रयास किया गया। इसमें अमिताभ बच्चन का सहयोग रहा।

"जो परिवर्तन आप दुनिया में देखना चाहते हैं वह सबसे पहले अपने आप में लागू करें।" महात्मा गांधी द्वारा कहे गए यह कथन जोकि स्वच्छता पर ही आधारित है। उनके अनुसार स्वच्छता की जागरूकता की मशाल सभी में पैदा होनी चाहिए इसके तहत स्कूलों में भी स्वच्छ भारत अभियान के कार्य होने लगे हैं। स्वच्छता से न केवल हमारा तन साफ रहता है, हमारा मन भी स्वच्छ रहता है। इसी को मध्य रखते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सरकारी भवनों की सफाई और स्वच्छता को ध्यान में रखकर तंबाकू , गुटका ,पान ,आदि उत्पादों पर प्रतिबंध लगा दिया है। ऐसे प्रयासों से जल्द ही भारत एक स्वच्छ एवं सुन्दर देश बन जाएगा।

1. स्वच्छ भारत अभियान का प्रारंभ किसने और कब किया ?
2. स्वच्छता अभियान में शौचालय बनवाने को पहल क्यों दी गई ?
3. आप के विद्यालय में 'स्वच्छता पखवाडा' के अंतर्गत विद्यालय को साफ रखने के लिए कौन-कौन से कार्यक्रम किए जाते है?
4. 'नमामि गंगे' परियोजना से आप क्या समझते हैं ?

5. उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री _____ है।

क) अरविंद केजरीवाल ख) कमल नाथ

ग) योगी आदित्यनाथ घ) मनोहर लाल खट्टर

क्रम संख्या	दक्षता	प्रकार	संज्ञानात्मक स्तर
1	सूचना की पुनःप्राप्ति	तथ्यात्मक	औसत
2	व्यापक समझ	रचनात्मक	औसत
3	व्यापक समझ	व्याख्यात्मक	औसत
4	सृजन	वर्णनात्मक	औसत
5	व्यापक समझ	बहुविकल्पिय	सरल

उत्तरमाला :

1	Full Credit	प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अक्तूबर 2014में किया था
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी एक
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
2	Full Credit	खुले में शौच से लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे थे आदि
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
3	Full Credit	शौचालय की सफाई,खेल मैदान से अतिरिक्त घास की कटाई ,पीने के पानी की सफाई ,कक्षा की सफाई (विद्यार्थियों द्वारा दिए गए अन्य सम्बंधित उत्तर भी मान्य)
	Partial Credit	उपरोक्त में से कोई भी दो
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
4	Full Credit	गंगा नदी के प्रदूषण को कम करना, गंगा तट पर बसे गाँव को खुले में शौच से मुक्त बनाना, ठोस व तरल कचरे का प्रबंध करना
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर
5	Full Credit	योगी आदित्यनाथ
	No Credit	असंगत/अस्पष्ट/अन्य उत्तर